सिटी चीफ

News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-238

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

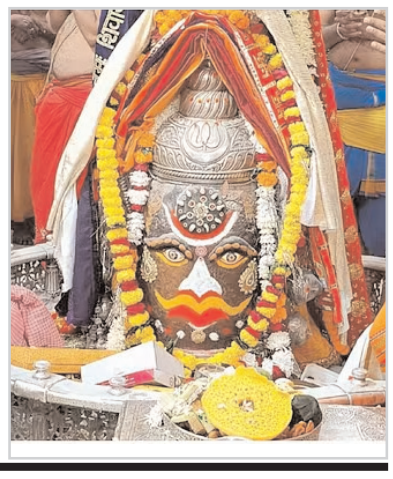

इंदौर, मंगलवार 03 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

'भीड़ हौंसला तो देती हैं लेकिन पहचान छिन लेती हैं'

मंत्रियों के साथ पीएम ने देखी ‘ द साबरमती रिपोर्ट ’

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में सोमवार को फिल्म ‘द साबरमती रिपोर्ट’ देखी। यहां मेकर्स ने फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की थी। इस स्क्रीनिंग में गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री और सांसद भी पहुंचे। इस विशेष अवसर पर फिल्म की स्टार कास्ट से विक्रांत मैसी, राशि खन्ना, रिद्दी डोगरा समेत मेकर्स भी मौजूद रहे। स्क्रीनिंग में पीएम मोदी के अलावा मनोहर लाल, जीतन राम मांझी, नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा और मनसुख मांडविया जैसे नेता भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने एक्स अकाउंट पर फिल्म की स्क्रीनिंग की झलकियां साझा कीं। कुछ तस्वीरें साझा करते हुए पीएम मोदी ने कैप्शन में लिखा- ‘द साबरमती रिपोर्ट’ की स्क्रीनिंग में एनडीए के साथी सांसदों के साथ शामिल हुआ। मैं फिल्म के निर्माताओं के प्रयासों की सराहना करता हूं। वहीं, पीएम मोदी के साथ बैठकर फिल्म देखने पर एक्टर विक्रांत मैसी ने भी खुशी जाहिर की।

धमकियों से परेशान होकर ‘द साबरमती रिपोर्ट’ के लीड एक्टर विक्रांत मैसी ने लिया संन्यास ?

नई दिल्ली। फिल्म ‘द साबरमती रिपोर्ट’ के लीड एक्टर विक्रांत मैसी ने सोमवार को फिल्मों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। इस खबर को सुनकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग हैरान हैं। विक्रांत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह जानकारी दुनिया से शेयर की। उन्होंने अपने पोस्ट में एक नोट शेयर किया है जिसमें लिखा है- नमस्ते, पिछले कुछ साल और उससे पहले का समय शानदार रहा है। मैं आप सभी को आपके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मुझे एहसास हुआ कि यह समय फिर से संभलने और घर वापसी का है। एक पति, पिता और बेटे के रूप में। एक एक्टर के रूप में भी। इसलिए 2025 में, हम एक-दूसरे से आखिरी बार मिलेंगे। जब तक समय सही न लगे। आखिरी 2 फिल्में और कई सालों की यादें। फिर से धन्यवाद। हर चीज के लिए और बीच में जो कुछ भी हुआ उसके लिए। हमेशा आभारी रहूंगा!

सवाल उठ रहा है कि आखिर विक्रांत मैसी ने यह कड़ा फैसला क्यों लिया। जो वजह उन्होंने अपनी पोस्ट में बताई है वह सही है या अंदर की बात कुछ और है? दरअसल ब्रेक लेने से पहले विक्रांत की अंतिम फिल्म द साबरमती रिपोर्ट है, जो 15 नवंबर को रिलीज हुई थी। यह फिल्म गोधरा कांड और उसके बाद हुए गुजरात दंगों पर आधारित है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म विवादों में आ गई थी। फिल्म के लीड एक्टर विक्रांत मैसी को धमकियां मिल रही थीं।

फिल्मों से लेकर टीवी और ओटीटी तक किया काम विक्रांत मैसी पिछले दो दशकों से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। उन्होंने फिल्मों में ही नहीं बल्कि टीवी से लेकर ओटीटी तक काम किया है। बालिका वधू, बाबा ऐसो वर दीजो, कुबूल है, मिजार्पुर, क्रिमिनल जस्टिस जैसे टीवी शो और वेब सीरीज औप‘ छपाक’, 12वीं फेल, द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों में काम कर चुके विक्रांत ने इस वक्त इंडस्ट्री में ये कहकर हलचल मचा दी है कि वे फिल्मों से संन्यास लेने जा रहे हैं। इस खबर को सुनकर इंडस्ट्री से उनके अपने फ्रेंड्स भी काफी हैरान हैं।

मैसी को गूगल पर सर्च करने का ग्राफ अचानक बढ़ा एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान करने के बाद विक्रांत मैसी को गूगल पर सर्च करने का ग्राफ अचानक बढ़ गया है। विक्रांत मैसी ने साल 2013 में फिल्म लुटेरा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने दिल धड़कने दो, छपाक जैसी फिल्मों में भी काम किया था। एक्टर ने कई फिल्में कीं, लेकिन 12वीं फेल उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने आईपीएस मनोज कुमार का रोल निभाया था। फिल्म में विक्रांत के काम की खूब तारीफ हुई। उन्हें कई अवॉर्ड्स से भी सम्मानित किया गया। हाल ही में उनकी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट रिलीज हुई है, जिसे काफी सराहा गया। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस फिल्म की तारीफ की है।

अडानी और संभल हिंसा को लेकर सियासत गर्म

संसद सत्र का पांचवां दिन भी हो गया बर्बाद

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का पांचवां दिन भी बर्बाद हो गया। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के साथ ही विपक्षी सांसदों ने अपनी-अपनी मांगों को लेकर हंगामा शुरू कर दिया, जिस वजह से मंगलवार तक के लिए कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले पिछले हफ्ते के सभी चारों सत्र विपक्षी सांसदों के हंगामे की वजह से स्थगित करने पड़े थे। माना जा रहा था कि वित्तमंत्री सीतारमण की ओर से सोमवार को लोकसभा में बैंकिंग लॉ संशोधन बिल पेश किया जा सकता है, लेकिन नहीं हो सका। शीतकालीन सत्र की शुरुआत पिछले हफ्ते सोमवार को हुई थी, लेकिन संसदीय कार्यवाही हंगामे की से बार-बार बाधित होती रही है। संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में अडाणी से जुड़े मामले और उत्तरप्रदेश की संभल हिंसा को लेकर विपक्षी सांसदों की ओर से सरकार को घेरा जा रहा है। सत्र के पहले दिन पिछले सोमवार को कार्यवाही के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी बहस भी हो गई थी। इस सत्र के दौरान दोनों सदनों की 19-19 बैठकें आयोजित होना हैं।

एक- दूसरे लगाए खूब आरोप लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित किए जाने के बाद सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों ने एक- दूसरे खूब आरोप लगाए और सदन न चलने के लिए दोनों ने एक- दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। बीते सोमवार से शुरू हुए संसद सत्र में अभी तक कोई खास विधायी कामकाज नहीं हो सका है और पहला हफ्ता हंगामे की भेंट चढ़ गया। एक भी दिन न तो शून्यकाल हुआ और न ही प्रश्नकाल चल सका। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके कार्यालय में मुलाकात की।

लोकसभा में आसन के समीप आकर नारेबाजी लोकसभा में सोमवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्यों ने अडानी समूह से जुड़े मामले तथा उत्तरप्रदेश के संभल में हिंसा के मुद्दे को लेकर हंगामा किया, जिसकी वजह से सदन की बैठक शुरू होने के करीब 5 मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर जैसे ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, कांग्रेस और सपा के सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। हालांकि हंगामे के बीच ही कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने कुछ पूरक प्रश्नों के उत्तर भी दिए। फिर कुछ ही देर बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में हुआ हंगामा सभापति जगदीप धनखड़ ने हंगामे के बीच विपक्षी नेताओं से संसद की कार्यवाही चलने देने की अपील की। हंगामे और शोरगुल के बीच सभापति ने सदन की कार्यवाही सुबह 11.15 पर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सभापति ने हंगामे के बीच प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की लेकिन हंगामा जारी देख उन्होंने कुछ ही देर में कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। कुछ इसी तरह का हाल लोकसभा में भी देखने को मिला। विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक सोमवार को एक बार के स्थगन के बाद दोबारा शुरू होने के करीब आठ मिनट के अंदर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

मप्र नए डीजीपी कैलाश मकवाना का कानून व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

भोपाल। मध्यप्रदेश के नवागत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने सोमवार को कार्यभार संभाल लिया। डीजीपी मकवाना ने पदभार ग्रहण के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून-व्यवस्था की समीक्षा की और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुलिस अनुशासन और कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर है, जिसे और मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। नए डीजीपी ने जनता और पुलिस के बीच विश्वास बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस थानों में सुधार किए जाएंगे। साइबर अपराधों पर विशेष ध्यान देने की बात कहते हुए उन्होंने बताया कि इसके लिए तकनीकी सुदृढ़ता और नए तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। डीजीपी ने आगामी सिंहस्थ मेले के लिए पुलिस तैयारियों पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस बड़े आयोजन को लेकर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी। इसके लिए पुलिस बल को प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रैफिक सुधार को अपनी प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए जनजागरूकता और सख्त नियमों का पालन कराया जाएगा।

पुलिस की नई भूमिका डीजीपी ने पुलिस बल को जनता के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनने की बात कही। उनका कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जनता का विश्वास अर्जित करना जरूरी है। डीजीपी मकवाना ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश की पुलिस अपराध नियंत्रण और जनसेवा में नए मानक स्थापित करेगी। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने पुलिस बल को अनुशासन में रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस से हमेशा अनुशासन की अपेक्षा की जाती है और वह इसे सख्ती से लागू करेंगे। मकवाना ने जनता की सुनवाई और पुलिस की जवाबदेही को अपनी प्राथमिकता बताया। साथ ही, भ्रष्टाचार, साइबर अपराध और सड़क दुर्घटनाओं जैसी चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी साझा की। उन्होंने उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 की तैयारियों पर भी चर्चा की।

अब बाबा रामदेव पीने लगे गधी का दूध...

देहरादून। योगगुरु बाबा रामदेव रोजाना की तरह सोमवार को भी अपने पतंजलि योगपीठ में योगाभ्यास करवाते नजर आए। इस दौरान उन्होंने सबके सामने गधी का दूध निकाला और पीकर इसके फायदे भी गिनाए। इससे जुड़ा वीडियो बाबा रामदेव के फेसबुक पेज पर देखा जा सकता है। इस वीडियो में रामदेव कह रहे हैं- मैंने अपने जीवन में पहली बार गधी का दूध निकाला है। मैं इससे पहले गाय, बकरी, भेड़ और ऊंटनी का दूध निकाल चुका हूं। यह गधी बहुत शरीफ है। इसका दूध सुपर टॉनिक है और यह सुपर कास्मेटिक का काम करता है। इसका बच्चा बेचारा मुझे झांक ही रहा है। सोच रहा होगा कि इसकी मां आज बाबा जी के हत्थे चढ़ गई है। पूरा ही दूध निकाल कर मानेगा। बाबा रामदेव ने कहा कि इस गधी का हम सम्मान करना चाहते हैं। यहां मौजूद सभी लोग इसके लिए ताली बजाएं। गधी का दूध पीकर रामदेव बोले सच में यह बहुत टेस्टी है। मैं मजाक नहीं कर रहा हूं। गधी का दूध गाय समेत अन्य दुधारू पशुओं से ज्यादा स्वादिष्ट है। यह पेट के लिए लाभदायी होता है।

123 साल बाद नवंबर रहा सबसे गर्म, फरवरी तक ज्यादा ही रहेगा तापमान

नई दिल्ली। दिसंबर का महीना शुरू हो चुका है, लेकिन राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में अभी भी गर्मी का अहसास हो रहा है। पिछले महीने यानी नवंबर में भी मौसम का यही हाल रहा। 123 साल बाद नवंबर का महीना देशभर के लिए सबसे गर्म रहा। सुबह-शाम भले ही तापमान कम हुआ हो, लेकिन अधिकतम तापमान 30 डिग्री के आसपास रहा। इस साल देशभर के ज्यादातर हिस्सों में दिसंबर से फरवरी तक तापमान सामान्य से ज्यादा रहने के आसार हैं। साल 1901 के बाद देशभर के लिए नवंबर महीना दूसरा सबसे गर्म रहा। इस साल नवंबर में अधिकतम तापमान 29.37 रहा। वहीं राजधानी दिल्ली में भी नवंबर में सामान्य से ज्यादा तापमान रहा। दिल्ली में इस बार नवंबर का महीना 14 साल बाद सबसे ज्यादा गर्म रहा। सुबह-शाम जहां लोगों को गुलाबी ठंडक का अहसास हुआ, तो दिन में तेज धूप ने लोगों के पसीने छुड़ाए।

मानसून के जाने के बाद नहीं हुई बारिश आमतौर पर नवंबर महीने से ही ठंड का आगाज हो जाता है। दिसंबर आते-आते कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू हो जाती है। लेकिन इस साल मौसम का मिजाज बदला रहा। दरअसल मानसून के जाने के बाद से ही दिल्ली में अब तक बारिश नहीं हुई। सितबंर की शुरुआत से ही मौसम शुष्क बना हुआ है। भले ही अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में कम ही बारिश होती है, लेकिन इसकी वजह से ठंड जरूर बढ़ जाती है। बारिश न होने की पीछे वजह है वेस्टर्न डिस्टरबेंस। इस साल पहाड़ों पर कमजोर वेस्टर्न डिस्टरबेंस आ रहे हैं। इसकी वजह से दिल्ली समेत उत्तर भारत पर कोई प्रभाव नहीं पहुंच रहा। इसकी वजह से कड़ाके की ठंड के आगाज में देरी हो रही है।

पहाड़ों से नहीं आ रही बर्फीली हवा दूसरी वजह है पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवा। नवंबर से ही दिल्ली में तेज हवा नहीं चली है। आम तौर पर अक्टूबर महीने के बाद पहाड़ों से बर्फीली हवा उत्तर भारत की ओर आती हैं। जिसकी वजह से तेजी से तापमान कम होता है और ठंड बढ़ने लगती है। इस साल अभी तक बर्फीली हवा और शीतलहर शुरू नहीं हो पाई हैं।

कड़ाके की ठंड के लिए अभी इंतजार मौसम विभाग का कहना है कि दिसंबर के पहले हफ्ते में तो मौसम सामान्य ही बना रहेगा। कुछ बड़े बदलाव के आसार नहीं है। अधिकतम तापमान 27-28 डिग्री तक रहेगा। यानी अभी 8-10 दिन दिल्ली-एनसीआर में ठंड बढ़ने की संभावना नहीं है। लोगों को कड़ाके की ठंड के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। हालांकि इस साल देशभर के ज्यादातर हिस्सों में दिसंबर से फरवरी तक तापमान सामान्य से अधिक ही रहेगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अगुवाई में बड़ा आंदोलन

कल आधा दिन बंद रहेंगे शहर के बाजार, निकाली जाएगी 'आक्रोश रैली'

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अगुवाई में बुधवार को बड़ा आंदोलन होगा। लालबाग परिसर से कलेक्टोरेट तिराहे तक रैली निकाली जाएगी। इसमें 50 हजार से ज्यादा लोगों के शामिल होने का अनुमान है। बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में निकाली जाने वाली इस रैली को आक्रोश रैली का नाम दिया गया है। दिसंबर को रैली के बाद शहर के बाजार भी आधे दिन के लिए बंद रहेंगे। प्रदेश में सबसे बड़ी रैली इंदौर में होने जा रही है। इंदौर के अलावा देश के अन्य स्थानों पर भी छह दिसंबर तक बड़ी रैलियां आयोजित करने की तैयारी है। आक्रोश रैली को लेकर शुक्रवार को इंदौर के संघ कार्यालय पर एक बैठक भी बुलाई गई थी। इसमें संघ से जुड़े संगठन, शहर के व्यापारिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में कहा गया था कि इंदौर में भीड़ के लिहाज से सबसे बड़ी रैली निकालना चाहिए, ताकि बांग्लादेश सरकार तक यह संदेश पहुंचे कि देश की जनता बांग्लादेश के हिन्दू परिवारों के साथ है। रैली 4 दिसंबर को सुबह साढ़े 9 बजे लालबाग से रैली शुरू होगी। रैली में शामिल होग हाथों में तख्तियां लेकर चलेंगे और अफसरों को ज्ञापन देंगे।

व्यापारिक संगठनों ने दिया समर्थन

अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल और भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के संयोजक धीरज खंडेलवाल ने घोषणा की है कि 4 दिसंबर को सर्व हिंदू समाज की रैली को समर्थन देते हुए इंदौर के व्यापारिक संगठन दोपहर 1 बजे तक दुकानें बंद रखेंगे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में 4 दिसंबर को इंदौर में आधे दिन बाजार बंद रखने का निर्णय लिया गया है। रविवार को अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

इन संगठनों ने दिया बंद कों समर्थन

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अगुवाई में हो रहे आंदोलन को क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन, सीतलामाता बाजार, खजूरी बाजार, न्यू सियागंज, टी मर्चेंट्स एसोसिएशन, स्कूटर पार्ट्स विक्रेता संघ, सियागंज किराना होलसेल मर्चेंट्स एसोसिएशन, अपोलो टॉवर विक्रेता संघ, पाइप एंड सैनिटरी व्यापारी संघ, इंदौर टाइल्स मर्चेंट्स एसोसिएशन, इलेक्ट्रिक मार्केट व्यापारी एसोसिएशन, इंदौर मशीनरी टूल्स, प्लायवुड और लैमिनेट्स व्यापारी संघ, मध्यप्रदेश दाल-दलहन व्यापारी महासंघ, इंदौर केमिकल ट्रेडर्स एसोसिएशन, इंदौर कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन एसोसिएशन, दाल-चावल विक्रेता संघ, मल्हारगंज व्यापारी एसोसिएशन और चैंबर के अन्य व्यापारी संगठनों ने समर्थन दिया है।

आरएसएस इस तरह कर रहा तैयारी

संघ ने इस विरोध प्रदर्शन के लिए सभी वैचारिक संगठनों और स्वयंसेवकों के साथ तैयारी शुरू कर दी है। संगठन ने कार्यकर्ताओं से कहा है कि परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों को भी रैली में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाए। मोबाइल के सभी संपर्कों और वाट्सएप ग्रुप्स में इस रैली का संदेश साझा करें।

कांग्रेस ने भी खोला मोर्चा

बांग्लादेशियों की जांच की मांग

सिटी चीफ इंदौर।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में संघ के प्रयासों के बाद अब कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। इंदौर कांग्रेस ने शहर में रह रहे बांग्लादेशियों की जांच की मांग की है। बता दें कि इंदौर के सराफा बाजार में हजारों बंगाली कारीगर सोने के जेवर बनाने का काम करते हैं। ये कारीगर सराफा बाजार के आसपास किराए के मकानों में रहते हैं और उनकी एक एसोसिएशन भी है। सूत्रों के मुताबिक, इन कारीगरों में कुछ बांग्लादेश से आए लोग भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उनकी सही संख्या का कोई पुख्ता रिकॉर्ड नहीं है। इंदौर कांग्रेस सेवा दल के जिला कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल और सूचना अधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरीश जोशी ने सराफा बाजार एसोसिएशन को पत्र लिखकर बांग्लादेशी कर्मचारियों की जांच की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को देखते हुए इंदौर में बिना वीजा काम कर रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की जानी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति अनैतिक तरीके से यहां रह रहा है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

इंदौर में बांग्लादेशी कारीगरों का कोई रिकार्ड नहीं

सराफा बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल रांका ने कहा कि उन्हें कांग्रेस की तरफ से अभी तक कोई पत्र नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि यह काम पुलिस का है, न कि कांग्रेस का। पुलिस को जांच करनी चाहिए और देश-विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी एसोसिएशन का सराफा बाजार में काम करने वाले बंगालियों से कोई कोई लेना देना नहीं है, हमारे पास उनका कोई रिकार्ड भी नहीं है। बंगाली कारीगर एसोसिएशन का कहना अगर कोई बांग्लादेशी होगा तो हमें कैसे पता चलेगा।

पुलिस को करना चाहिए जांच

बंगाली कारीगर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशांत सामवंत ने कहा कि सराफा बाजार में काम करने वाले कारीगर पश्चिम बंगाल से आए हैं, जो भारत का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इंदौर सराफा बाजान में लगभग 15 से 20 हजार बंगाली कारीगर काम कर रहे है। वहीं उनकी एसोसिएशन में 10,000 से अधिक कारीगर रजिस्टर्ड हैं। यदि कोई बांग्लादेशी नागरिक बंगाली बनकर काम कर रहा है, तो इसकी जानकारी पुलिस को ही जांचकर पता लगानी चाहिए।

एडिशनल डीसीपी के बाद अब टीआई को आया साइबर फ्रॉड का कॉल

थाना प्रभारी ने सूझबूझ दिखाते हुए धोखेबाजों के मंसूबे किए नाकाम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में ठगी और धोखाधड़ी के मामले दिनों दिन बढ़ते जा रहे है। फिर से ऐसा ही मामला इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में सामने आया है। यहां परदेशीपुरा थाना प्रभारी पंकज द्विवेदी को धोखेबाजों ने वाट्सएप कॉल किया। फोन करने वाले ने थाना प्रभारी से बेटे के बारे में पूछा और बेटे से बात करनी चाही। टीआई ने सूझबूझ का परिचय देते हुए फोन डिस्कनेक्ट कर दिया। इसके पहले भी एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया के पास भी डिजिटल अरेस्ट करने के लिए कॉल आ चुका है। चूंकि दोनों पुलिस अधिकारी है इसलिए सावधानी के चलते बच गए। थाना प्रभारी ने सूझबूझ और त्वरित निर्णय से इस धोखाधड़ी के प्रयास को नाकाम कर दिया और अपराधियों के मंसूबे विफल हो गए। यह मामला तब सामने आया जब एक व्यक्ति ने ऑनलाइन माध्यम से थाना प्रभारी से संपर्क किया और उन्हें पुलिस अधिकारी होने के नाम पर धोखाधड़ी के जरिये फंसाने की कोशिश की। आए हुए कॉल को लेकर थाना प्रभारी पंकज द्विवेदी ने बताया कि उनसे वाट्सएप कॉल के माध्यम से संपर्क किया गया। इसमें फोन कॉल करने वाले ने पहले थाना प्रभारी का नाम बताया फिर उनके बेटे का नाम बताते हुए बेटे से बात करने की बात कही। पंकज द्विवेदी ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए इन बातों को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने तुरंत धोखेबाज का फोन काट दिया।

टीआई ने एक सिपाही से वीडियो कॉल की रिकार्डिंग करवाई गई। दरअसल यह

वाट्सएप कॉल 28 नवंबर को आया था। इसमें उसने खुद को इंटेलिजेंस अफसर बताया। डीपी में पुलिस वर्दी में एक शख्स की तस्वीर लगी थी। उसने टीआई से उनका पहले नाम पूछा और उसने बेटे संस्कार द्विवेदी को लेकर जानकारी ली। इसके बाद कहा कि उससे बात कराओ। टीआई ने इंकार कर दिया और कहां कि इस तरह के बहुत कॉल आते हैं। अब टीआई ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर कहा कि ऐसे कॉल से सचेत रहना चाहिए।

ऐसे धोखेबाजों से सतर्क रहें

थाना प्रभारी पंकज द्विवेदी ने बताया कि इस प्रकार के धोखाधड़ी के प्रयास उनके साथ कई बार हो चुके हैं। ऐसे मामलों से सावधान रहना बेहद जरूरी है, और किसी भी प्रकार की कॉल या मैसेज पर बिना पुष्टि किए किसी भी प्रकार की जानकारी या पैसे की लेन-देन से बचना चाहिए। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे ऐसे धोखेबाजों से सतर्क रहें और कोई भी ऐसे फ्रॉड कॉल या संदेश मिलने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

एडिशनल डीसीपी को भी आया था कॉल

8 दिन पहले 24 नवंबर को पहले इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया को भी इस तरह का कॉल आया था। उन्हें बैंक से गलत तरीके से रुपए निकालने को लेकर बैंक अधिकारी और फिर पुलिस में कॉल ट्रांसफर कर पुलिसकर्मी बनकर धमकाया था। बाद में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया को वीडियो कॉल करने पर वर्दी पहने देख। नकली अफसर ने कॉल काट दिया था। उन्होंने उक्त नंबर ट्रेसिंग पर डलवाया था।

पुलिस ने साइबर ठगी के तीन करोड़ रुपए वापस दिलवाए

इंदौर में साइबर क्राइम के केस लगातार बढ़ते जा रहे हैं और पुलिस भी पीड़ितों की मदद करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इंदौर कमिश्नरेट में लोगों से छलकपट कर आर्थिक ठगी करने के मामलों में तुरंत राशि वापस दिलवाने और कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। ऑनलाइन ठगी की शिकायतों में क्राइम ब्रांच इंदौर की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों को भी लगाया गया है। इसी कड़ी में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच इंदौर के द्वारा लगातार आवेदकों के पैसे रिफंड कराए जा रहे हैं। नवंबर में अब तक की सबसे अधिक राशि रिफंड करवाई गई है।

2024 (नवंबर) में आवेदकों के 03 करोड़ 45 हजार रुपए सकुशल वापस कराए गए एवं आवेदकों को ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के लिए साइबर पाठशाला जैसे अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को जागरूक किया गया है और ये अभियान निरंतर जारी हैं।

हेल्पलाइन याद रखें

पुलिस नेआमजन से कहा है कि आपके साथ किसी भी प्रकार की ऑनलाइन की धोखाधड़ी होने पर तत्काल क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस द्वारा संचालित सायबर हेल्पलाइन नं. 704912-4445, 1930/एनसीआपी पोर्टल, आदि माध्यमों से शिकायत करें।

सीएम हेल्पलाइन के केस में लापरवाही पर दो अधिकारियों की सैलरी रोकी

इंदौर। इंदौर में सीएम हेल्पलाइन के जरिये दर्ज मामलों के निपटारे के लिए अगले सात दिन तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक में कहा कि इस अभियान में 50 दिन से पेंडिंग केस के निपटारे को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। अधिकारियों को अपने-अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार लाना होगा। हर विभाग की रैंकिंग 40 से अधिक नहीं हो। 40 से अधिक रैंकिंग आने पर संबंधित विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन के केसों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर दो अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक सुचिता बेक तिर्की और श्रम विभाग की असिस्टेंट कमिश्नर मेघना भट्ट का एक-एक माह का वेतन राजसात करने के निर्देश दिए। साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों का समय-सीमा में निराकरण नहीं करने पर बिचौली क्षेत्र की तहसीलदार अंकिता वाजपेयी के विरुद्ध पेनाल्टी लगाने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में जन समस्याएं आती हैं। इनका निराकरण समय-सीमा में होना अत्यंत जरूरी है। जनता से जुड़ी समस्याओं के निराकरण को विशेष प्राथमिकता दी जाए। सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों को देखें और उसी दिन निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करें। एक भी आवेदन नॉन अटेंड नहीं रहे। अगर एक भी शिकायत ऐसी मिलती है, जिसमें कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी एक्ट में दर्ज प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज में गंदगी और अव्यवस्थाओं को लेकर छात्र-छात्राओं ने किया प्रदर्शन

इंदौर। श्री अटल बिहारी वाजपेयी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जीएसीसी) और पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज में गंदगी और अव्यवस्थाओं को लेकर छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई छात्र नेता अमन पटवारी के नेतृत्व में छात्र जमीन पर बैठकर अपनी नाराजगी जताई। छात्रों ने आरोप लगाया कि कॉलेज परिसर में स्वच्छता की कमी है। उन्होंने कहा कि यह सबसे पुराना कॉलेज है, इसके बावजूद भी कॉलेज में अव्यवस्था, गंदगी की समस्या है। जिनके नाम पर कॉलेज का नाम रखा गया है, श्री अटल बिहारी वाजपेयी उनकी ही प्रतिमा की देखभाल और रख-रखाव सही ढंग से नहीं हो रहा हैं। उनके बगीचे के आसपास गंदगी है, कचरा है। इसके साथ-साथ कॉलेज के ए ब्लॉक का प्रांगण है, जहां 15 अगस्त, 26 जनवरी के प्रोग्राम होते है।

इंदौर सराफा बाजार: 2 दिसंबर को चांदी 700 और सोना 450 रुपये हुआ सस्ता

इंदौर। ब्रिक्स देशों की नई मुद्रा लाने की घोषणा पर हमलावर होते हुए अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कह दिया है कि ऐसा होने पर इन देशों पर टैरिफ लगा दिया जाएगा। घोषणा होने के असर से ही डालर में मजबूती देखी गई। सोने की सुरक्षित निवेश मांग में कमी आई और सोने-चांदी में गिरावट रही। कामेक्स पर सोना वायदा घटकर 2633 डालर प्रति औंस और चांदी वायदा 30.23 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसका असर भारतीय सराफा बाजार पर भी देखा गया। इंदौर में सोना केडबरी 450 रुपये घटकर 78100 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 700 रुपये टूटकर 90300 रुपये प्रति किलो रह गई। व्यापारियों को डर है कि ट्रम्प के शासन में अमेरिका और भी अधिक संरक्षणवादी नीतियों को अपना सकता है। इधर, शादियों का सीजन अब आखिरी दौर में होने के कारण हाजिर बाजारों में ग्राहकी सीमित है। दूसरी ओर इसरायल-हिजबुल्लाह के बीच युद्ध विराम जारी है। एक और खबर आई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के एक हजार दिन पूरे होने के मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति ने युद्ध विराम के पक्ष में बयान दिया है। हालांकि उन्होंने नाटो देशों से सुरक्षा की गारंटी भी मांगी है। इन सब खबरों से बुलियन मार्केट पर दबाव देखा गया। सोमवार को इंदौर के बंद भाव इस प्रकार रहे- सोना केडबरी रवा नकद में 78100 सोना (आरटीजीएस) 78000 सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 71200 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया।

छह साल बाद राऊ से देवास नाका बाइपास की सर्विस रोड बनना शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के राऊ से देवास नाका बाइपास पर छह साल बाद सर्विस रोड बनना शुरू हुई है। फिलहाल सर्विस रोड डामर की बनाई जा रही है। अभी बाइपास के कई हिस्सों में सर्विस रोड पर खड्डे है। नगर निगम बिचौली मदार्ना वाले हिस्से में बनाई जा रही है। राऊ और तेजाजी नगर वाले हिस्से की सर्विस रोड को भी दो माह में ठीक किया जाएगा। दस साल पहले जब इंदौर बाइपास को चार लेन से छह लेन किया जा रहा था तो पूरे मार्ग पर सर्विस रोड नहीं बनाई गई थी। टुकड़ों-टुकड़ों में दस किलोमीटर की सर्विस रोड बनाई गई, जबकि सरकार ने 30 किलोमीटर लंबे इस बायपास पर टोल टैक्स भी लगा दिया था। इसके बावजूद सर्विस रोड नहीं बनाने पर जनप्रतिनिधियों ने काफी विरोध किया था।

ट्रैफिक का दबाव एमआर-10 जंक्शन पर ज्यादा

अभी सबसे ज्यादा सर्विस रोड पर ट्रैफिक का दबाव एमआर-10 जंक्शन पर रहता है। यहां अकसर ट्रैफिक जाम लगता है। इसके अलावा बिचौली मदार्ना जंक्शन पर भी यातायात बाधित होता है। अब सर्विस रोड बनने से वाहन चालकों को राहत मिल सकती है। एनएचएआई बाइपास पर तीन जगह ब्रिज भी बना रहा है।

डेढ़ साल पहले तोड़े थे अतिक्रमण

नगर निगम ने सर्विस रोड को फोरलेन बनाने का फैसला लिया था। तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह भी इस पक्ष में थे।

तब कुछ निमार्णों के मंजूर नक्शे निरस्त किए गए। डेढ़ साल पहले दो सौ से ज्यादा अतिक्रमण भी सर्विस रोड के लिए तोड़े गए, लेकिन तब सड़क नहीं बन पाई। अब नगर निगम ने इसके निर्माण शुरू किया है। नगर निगम ने बायपास के एक तरफ नर्मदा लाइन बिछाने के लिए सर्विस रोड पर खुदाई की थी। इस कारण सर्विस रोड खराब हो गई थी। तब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सर्विस रोड बनाने का जिम्मा नगर निगम को दिया था। निर्माण के लिए तब प्राधिकरण ने 80 करोड़ रुपये भी दिए।

'भोजपाल' होगा भोपाल का नाम! भोजपाल महोत्सव मेले में सीएम के सामने उठी मांग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में भोजपाल महोत्सव मेले की शुरुआत हो गई है। इसका लुत्फ उठाने के लिए सीएम डॉ मोहन यादव भेल दशहरा मैदान पहुंचे थे। इस दौरान भोपाल का नाम बदलकर 'भोजपाल' करने की मांग उठी। मेला समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने मुख्यमंत्री से मांग की कि राजधानी भोपाल का नाम भोजपाल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि हम पिछले 9 साल से इस मेले का आयोजन कर रहे हैं। सनातन संस्कृति को नष्ट करने की मंशा से मुगल शासकों ने भोजपाल का नाम बदलकर भोपाल रख दिया था। आचार्य रामभद्राचार्य ने तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय यह कहा था कि जब तक भोपाल का नाम भोजपाल नहीं होगा, वे यहां कथा नहीं करेंगे। भोपाल का नाम भोजपाल कर दिया जाए, पूरी समिति की यह मांग है।

बता दें कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने इसी मंच पर रामकथा कहते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री के समक्ष एक मांग रखते हुए यह संकल्प लिया था कि जब तक भोपाल का नाम भोजपाल नहीं होगा। भोपाल की धरा पर दूसरी कथा नहीं करूंगा।

रायसेन के बंद शिव मंदिर को खुलवाने की मांग

कार्यक्रम के दौरान भजन गायिका शहनाज अख्तर ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मंच से रायसेन के बंद शिव मंदिर को खुलवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कई साल से, कई लोगों ने, कई बार प्रयास किया। लेकिन अब आपसे उम्मीद है। मैंने सनातन को अपनाया है, गुरु दीक्षा ली है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने भजन गायिका शहनाज अख्तर का स्वागत करते हुए कहा कि आपकी सनातन के प्रति आस्था देखते हुए मैं आपको नमन करता हूं। सीएम ने

कहा कि भगवान राम कृष्ण और सभी 33 करोड़ देवी देवताओं के सम्मान में हमारी जिंदगी जाती है। सनातन धर्म के लिए हम किसी की निंदा और अपमान नहीं करते लेकिन, अपने सनातन धर्म के लिए किसी से समझौता नहीं करेंगे। आप आपकी जय करो हमारी तो विजय होने ही वाली है।

भगवान राम के बाद अब कृष्ण कन्हैया बुलवा रहे हैं

सीएम ने कहा कि भगवान राम अयोध्या में मुस्करा रहे हैं तो हमारा कलेजा 56 इंच से बाहर निकल कर आ रहा है। भगवान राम के बाद अब जमुना जी के कृष्ण कन्हैया बुलवा रहे हैं। मेला संस्कृति हमें अतीत से जोड़ती है। जिसके जरिए मेल मिलाप होता है अनजान व्यक्ति अपना अपना टिकट लेकर एक साथ झूलते हैं। इस मेले के लिए हमारे देवी देवता भी तरसते हैं।

राजा भोज की कहावत गलत बोली जाती है

सीएम ने कहा राजा भोज के जीवन को याद करें जिनकी बौद्धिक क्षमता हर क्षेत्र में अद्वितीय थी। हर जगह राजा भोज दिखाई देते हैं। ऐसे व्यक्तित्व के धनी जिनके जीवन में उन्होंने दो-दो युद्ध लड़े। एक गांगेय से था और दूसरा और तैलंग से। गलत कहावत चलती है राजा भोज की। उनकी सही कहावत है कहां राजा भोज, कहां गांगे-तैलभ। ये गलती मत करना जो आपने बोली है। एक साथ इतनी बड़ी सत्ता को हराने का सामर्थ्य राजा भोज में हैं। वे अपने कवियों को कविता के एक-एक शब्द के लिए सोने की ईंट दान में देते थे। वे इतने विशाल हृदय के व्यक्ति थे।

वाहन खरीदने वालों को रजिस्ट्रेशन में टैक्स की छूट दी जाए

मेला समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने सीएम से कहा कि हमारी पहली मांग है कि भोपाल का नाम भोजपाल हो और दूसरी मांग है कि ग्वालियर मेले की तरह इस भोजपाल मेले में भी वाहन खरीदने वालों को रजिस्ट्रेशन में टैक्स की छूट दी जाए। सीएम ने कहा कि हमारे राजा भोज के नाम पर स्थापित इस मेले में आकर मुझे बेहद प्रसन्नता हुई।

600 करोड़ के 6 प्रोजेक्ट की दो साल थी डेडलाइन, आठ साल बाद भी अधूरे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट की लेटलतीफी से जनता परेशान है, वहीं यह योजना नगर निगम के लिए भी बड़ी मुसीबत बनते जा रही है। हद तो यह है कि दो साल में बनने वाले 600 करोड़ रुपए के 6 प्रोजेक्ट आठ साल बाद भी अधूरे हैं। इसके चलते इन आवासों के लिए अपनी जमा पूंजी लगाने वाले लोग परेशान हैं। नगर निगम के बुकिंग करने के बाद अब तक यह नहीं बता पा रहा है कि उनको पजेशन कब तक मिलेगा। भोपाल में 12 नंबर स्टाफ पर नगर निगम ने मई 2017 में एचआईजी, एमआईजी और एलआईजी मकान बनाने का काम शुरू किया था। यहां पर करीब 1800 फ्लैट बनाए जा रहे हैं। 18 माह में काम पूरा करना था, लेकिन ठेकेदार बीच में ही काम छोड़ कर चला गया। ऐसे में सात साल पहले बुकिंग कराने वाले लोग अपने आपको ठगा महसूस कर रहे हैं। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही फ्लैट का काम पूरा होने वाला है। इसके बाद हितग्राहियों को उनका आवास का आवंटन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसमें दो माह का समय लगेगा।

राहुल नगर में भी प्रोजेक्ट का काम अधूरा

इसी तरह गंगा नगर और श्याम नगर में भी 101 करोड़ से 2017 में प्रधानमंत्री आवास का निर्माण शुरू किया गया था। इसके लिए भी 18 माह का समय तय किया गया था, लेकिन यहां भी ठेकेदार ने बीच में ही काम छोड़ दिया। इसी तरह राहुल नगर में 93 करोड़ की लागत से वर्ष 2018 में काम शुरू किया गया था। इसको पूरा करने की डेडलाइन 18 माह तय की गई थी। इसमें भी अभी काम अधूरा है।

बागमुगलिया में 2019 में शुरू हुआ काम

हिनोतिया आलम में भी 37 करोड़ के प्रोजेक्ट

2018 में शुरू किया गया था। यहां पर अलग-अलग पार्ट में 576 फ्लैट का निर्माण होना था। यह प्रोजेक्ट भी अधूरा है। इसके अलावा बाग मुगलिया में फरवरी 2019 में 158 करोड़ रुपए से प्रोजेक्ट शुरू किया गया। इसके लिए 24 माह का समय तय किया गया था। यहां पर 2232 फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है। बाजपेयी नगर भाग-2 में 108 करोड़ का प्रोजेक्ट तीन साल लेट चल रहा है।

लोगों ने लेटलतीफी पर दिया धरना

नगर निगम के हाउसिंग फॉर ऑल के प्रोजेक्ट में हो रही देरी को लेकर गंगा नगर, 12 नंबर समेत अन्य जगहों के लोगों ने कहा कि लगातार डेडलाइन बढ़ाने के बाद उनको नवंबर में पजेशन देने को कहा गया था, लेकिन इस साल के खत्म होने के बावजूद उनको पजेशन देने की उम्मीद नहीं दिख रही है। उन्होंने इस बात को लेकर भोपाल नगर निगम के आईएसबीटी कार्यालय पर पिछले सप्ताह धरना दिया था। लोगों ने प्रोजेक्ट में देरी के साथ ही घटिया निर्माण का भी आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि कई जगह प्लास्टर हाथ लगाने से उखड़ रहा है।

देरी का यह भी बताया जा रहा कारण

भोपाल नगर निगम के अधिकारियों की तरफ से हाउसिंग फॉर ऑल प्रोजेक्ट में हो रही देरी का कारण कोरोना काल के साथ ही जमीन आवंटन में देरी को बताया जा रहा है। वहीं, कुछ जगह रेरा से अनुमति मिलने में देरी भी कारण बताया गया है। भोपाल नगर निगम में हाउसिंग फॉर ऑल शाखा के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग ने कहा कि करीब-करीब सभी हाउसिंग प्रोजेक्ट पूरे होने पर है। इनमें दो से तीन माह के अंदर पजेशन देने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

मध्यप्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में खरीफ सीजन 2024-25 के लिए धान की खरीद सोमवार से शुरू हो गई है। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इसकी घोषणा की। किसान 20 जनवरी 2025 तक धान बेच सकते हैं। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सामान्य धान के लिए 2300 रुपए प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2320 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। सरकार किसानों की फसलों का भुगतान उनके आधार से जुड़े बैंक खातों में करेगी। सरकार ने धान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अवैध बिक्री रोकने के लिए कदम उठाए हैं। समस्याओं के समाधान के लिए जिला और राज्य स्तर पर हेल्पलाइन भी स्थापित की गई है। ताकि अवैध प्रक्रियाओं के साथ साथ कालाबाजारी जैसी समस्याओं पर रोक लगाई जा सके। इसके लिए प्रशासन सख्त एक्शन लेने की तैयारी में है। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि किसान अपनी धान की गुणवत्ता के आधार पर बेच सकते हैं। धान की खरीद सोमवार से शुक्रवार तक होगी। उन्होंने बताया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार ने 45 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा है। धान की गुणवत्ता की जांच गोदामों में ही की जाएगी। यह जांच उपार्जन एजेंसी के गुणवत्ता सर्वेयर द्वारा की जाएगी। अगर परिवहनकर्ता समय पर धान नहीं पहुंचाते हैं, तो उन पर जुमार्ना लगाया जाएगा। यह जुमार्ना हर हफ्ते लगाया जाएगा। किसानों को धान का भुगतान उनके आधार से जुड़े बैंक खातों में किया जाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि किसानों को समय पर और बिना किसी परेशानी के भुगतान मिले। पड़ोसी राज्यों से अवैध धान की बिक्री रोकने के लिए जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं।

बनाए जाएंगे तकनीकी सहायता दल

धान की खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए जिला और राज्य स्तर पर तकनीकी सहायता दल बनाए गए हैं। ये दल किसानों को पंजीयन और खरीद से जुड़ी किसी भी तकनीकी समस्या में मदद करेंगे। जिले में एक समिति बनाई गई है जो खरीद से जुड़े विवादों का निपटारा करेगी। यह समिति खरीदी गई धान की गुणवत्ता पर भी नजर रखेगी। राज्य स्तर पर एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। इसका फोन नंबर 0755-2551471 है। यह कंट्रोल रूम सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक काम करेगा। किसानों को किसी भी तरह की समस्या होने पर इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

सीएम मोहन यादव के सुरक्षा काफिले के लिए कुशल ड्राइवरों की तलाश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के सुरक्षा काफिले के लिए कुशल ड्राइवरों की तलाश जारी है। क्योंकि मौजूदा ड्राइवरों की कमी हो गई है, इसलिए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को अनुभवी ड्राइवरों की जानकारी भेजने का आदेश दिया है। ये ड्राइवर मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात गाड़ियों को चलाएंगे, जिनमें हमेशा वीवीआईपी और उनके स्टाफ मौजूद रहते हैं। चयनित ड्राइवरों की उम्र 45 साल या उससे कम होनी चाहिए, उन्हें डीएंडएम कोर्स किया होना जरूरी है, और ड्राइविंग का अच्छा अनुभव भी होना चाहिए। इसके अलावा उम्मीदवारों को वाहन चलाने का काफी अनुभव होना चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि चयनित ड्राइवर को पहले किसी बड़ी सजा न मिली हो। मुख्यमंत्री की सुरक्षा एक अहम जिम्मेदारी है। हालांकि, मुख्यमंत्री के सुरक्षा काफिले में कुशल ड्राइवरों की कमी के कारण, पुलिस मुख्यालय पूरे प्रदेश में ड्राइवरों की तलाश कर रहा है। सभी एसपी को पत्र लिखकर योग्य ड्राइवरों की जानकारी भेजने को कहा गया है। किसी भी मुख्यमंत्री के काफिले के लिए हमेशा ऐसे ड्राइवर चुने जाते हैं जिनका गाड़ियों पर अच्छा नियंत्रण हो। क्योंकि मुख्यमंत्री के लगातार बदलते कार्यक्रम के चलते उनका काफिला अक्सर तेज गति से चलता है। इसलिए ड्राइवर का कुशल और अनुभवी होना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनाती से पहले, ड्राइवर का वाहन चलाने का परीक्षण भी लिया जाएगा। यह परीक्षण उनकी ड्राइविंग कौशल और सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की क्षमता का आकलन करने के लिए होगा। इसके बाद सुनिश्चित किया जाएगा कि उसे चुना जाना चाहिए या नहीं।

सीएम हेल्पलाइन में पेंडिंग शिकायतों पर जिम्मेदार अफसरों को फटकार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह ने सोमवार को सीएम हेल्पलाइन में 100 दिन पुरानी पेंडिंग शिकायतों पर जिम्मेदार अफसरों को फटकार लगा दी। संभाग के अधिकारियों की क्लास लगाकर उन्होंने पेंडिंग शिकायतों का जल्द निराकरण करने की बात कहीं। वहीं, कई अन्य विषयों पर भी बात की। कमिश्नर सिंह ने सोमवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में संभागीय अधिकारियों की बैठक ली। इसमें सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों, समाधान एट्रीब्यूट्स, 100 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों, अनाज खरीदी, खाद उपलब्धता और राजस्व महाभियान सहित कई मुद्दों की समीक्षा की। जिन विभागों की शिकायतें ज्यादा पेंडिंग है, उनका निराकरण जल्द करने को कहा। संयुक्त आयुक्त विकास डॉ. विनोद यादव, उपायुक्त राजस्व किरण गुप्ता एवं सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर सिंह ने अनाज खरीदी और किसानों को उनके भुगतान की स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने किसानों को शीघ्र भुगतान और अन्य कार्य समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में संभाग के विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

शूटिंग अकादमी में खेल अधिकारी के बेटे ने खुद को मारी गोली, मौत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्थित स्टेट शूटिंग अकादमी में एक खेल अधिकारी के नाबालिग बेटे ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। खुदकुशी करने वाला किशोर यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था। घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात की है। सूचना मिलने के बाद देर रात प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग भी शूटिंग अकादमी पहुंचे थे। आज सुबह मृतक किशोर के परिजन भी भोपाल पहुंच गए हैं। रातीबड़ थाना पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय यथार्थ रघुवंशी पिता अरुण रघुवंशी अशोक नगर का रहने वाला था। उसके पिता अरुण रघुवंशी अशोक नगर के जिला खेल अधिकारी हैं। यथार्थ दो साल से मप्र शूटिंग अकादमी में शूटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था। रात में गोली चलने की आवाज सुनकर अकादमी का चौकीदार जब मौके पर पहुंचा तो देखा कि यथार्थ के सीने में गोली लगी है और बारह बोर की शॉट गन का ट्रिगर उसके पैर के नीचे है। ऐसे में पूरी संभावना है कि किशोर ने सोफे पर बैठकर पैर से ट्रिगर दबाकर अपने सीने में गोली मारी है। अकादमी में सीसीटीवी भी लगे हैं, पुलिस ने अकादमी से घटना के समय से पहले से बाद तक का पूरा सीसीटीवी फुटेज भी मांगा है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजन भोपाल पहुंच गए हैं, लेकिन अभी उनसे कोई पूछताछ नहीं हो सकी है। पीएम के समय परिजनों से यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि उसने किसी प्रताड़ना, डिप्रेशन या परिजनों से दूर होने के कारण अकेलापन जैसी कोई बात पहले बताई थी या नहीं। रातीबड़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा ने बताया कि मृतक यथार्थ रघुवंशी (17) पिता अरुण रघुवंशी अशोक नगर का रहने वाला था। यथार्थ बीते दो सालों से शूटिंग अकादमी में रह रहा था। यहीं प्रैक्टिस करता था। उसके पिता अरुण रघुवंशी अशोक नगर जिले के खेल अधिकारी हैं। हॉल में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हुआ है। जिस हॉल में यथार्थ ने खुद को गोली मारी, वह फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है। यथार्थ सोफे पर आकर बैठता है और गन जमीन पर रखकर पैर के अंगूठे से ट्रिगर दबाता है। गोली चलते ही वह सोफे पर बैठा रह गया।

दुआ ए खास के साथ 77वें आलमी तबलीगी इज्तिमा का हुआ समापन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ए अल्लाह, हम गुनाहगार हैं, खतावार हैं, तेरे हुक्म से गाफिल हैं, तेरी राह से भटके हुए हैं, तेरे नाफरमान हैं... लेकिन जो हैं, जैसे हैं तेरे बंदे हैं, तेरी किताब के कायल हैं, तेरे पैगंबर की सीरत को मानने वाले हैं....! ए अल्लाह हम सभी पर रहम फरमा दे....! पिछले तीन दिनों से ईंटखेड़ी में चल रहे 77वें आलमी तबलीगी इज्तिमा का समापन सोमवार सुबह इन दुआओं के साथ हुआ। मौलाना सआद साहब कांधालवी साहब ने यह दुआ कराई। दुआ ए खास के दौरान मौलाना सआद साहब ने पहले अरबी में दुआ की। इसके बाद मौजूद मजमे को जोड़ते हुए उर्दू में भी दुआओं का निजाम चला। आयोजन स्थल से लेकर तीन किमी तक सड़क खेत और घरों में बैठे

लोगों ने आमीन कहा। दुआ ए खास में शिरकत के लिए बड़ी तादाद में लोगों ने रात से ही इज्तिमागाह पहुंचना शुरू कर दिया था। कुछ लोगों ने अल सुबह इज्तिमागाह का रुख किया। सुबह से दुआ के लिए दौड़ ने शहर की अधिकांश सड़कों को वाहनों से भर दिया। हर शख्स इस मजमा ए खास में शामिल होने के लिए उतावला दिखाई दे रहा था। जिस दौरान मौलाना सआद साहब दुआ कर रहे थे, सारा मजमा पिन ड्रॉप साइलेंट की मुद्रा में दिखाई दे रहा था। दूर दूर तक सिर्फ मौलाना सआद की आवाज गूंज रही थी और बीच बीच में लोगों की आमीन की आवाजें इसमें शामिल हो रही थीं।

बढ़ाना पड़ा दुआ का वक्त

आलमी तबलीगी इज्तिमा के आखिरी दिन सोमवार को सुबह 9.30 बजे दुआ ए खास होने का ऐलान किया गया था। इस लिहाज से लोगों का इज्तिमागाह पहुंचने का सिलसिला भी अल सुबह से शुरू हो गया था। लेकिन काजी कैंप से लेकर नबी बाग तक जारी मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए लगाए गए बैरिकेड्स यातायात व्यवस्था की बाधा बन गए। तमाम इंतजाम के बाद भी करोंद चौराहा, इस्लामपुरा जोड़, मुबारकपुर ओवरब्रिज पर कई जगह जाम के हालात बन गए। इसको देखते हुए दुआ के तय समय में इजाफा किया गया। मौलाना सआद साहब ने अपना बयान पूरा करने के बाद दोपहर करीब 12.22 बजे दुआ ए खास की शुरूआत की। मजमे में मौजूद करीब 12 लाख से भी ज्यादा लोगों दुआ के साथ आमीन की सदाएं गुंजायमान की। खामोशी के दुआ ए खास और आमीन का सिलसिला करीब 22 मिनट तक जारी रहा। दोपहर करीब 12.44 बजे दुआ पूरी होने के बाद भोपाल मरकज के इकबाल हफीज ने जमातियों को वापसी का शेड्यूल समझाया।

शुरू हुआ रवानगी का सिलसिला

दुआ के बाद लोगों की रवानगी का सिलसिला शुरू हो गया। यहां से कुछ लोग अपने घरों को लौटे तो कुछ दीन सीखने के मकसद से चार माह और चालीस दिन की जमातों में निकले। 29 नवंबर को हुई शुरूआत के बाद सोमवार को इस मजहबी समागम का समापन हुआ। जिसमें करीब 12 लाख लोगों ने शिरकत की।

12 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे

चार दिन के आलमी तब्लीगी इज्तिमा में 12 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। हजारों वाहन थे। इज्तिमा स्थल ईटखेड़ी पहुंचने के रास्ते भी सीमित। बावजूद इसके न तो कही जाम लगा और न ही कहीं यातायात रुका। इन इंतजामों में लगे पुलिस, प्रशासन के अधिकारियों के साथ हजारों वॉलेन्टियर्स की कई दिनों की मेहनत के चलते ये आसान हो पाया। इज्तिमा के समापन के बाद रास्तेभर वॉलेन्टियर्स ने यातायात इंतजाम संभाले रखा। चार दिन के इस आयोजन में देशभर से उलेमाओं की तकरीर हुई। सोमवार सुबह फजिर की नमाज के बाद की तकरीर में फिर से उन बातों को दोहराया गया। सुबह फजिर की नमाज के बाद मौलाना यूसुफ साहब कांधलवी ने बयान किया। इनके बाद मौलाना हसन साहब बलियावी ने तबलीग की मुख्य 6 बातों की तालीम दी। दुआ ए खास से पहले मौलाना सआद साहब ने जमात में निकलने वालों को खास ताकीद देते हुए बयान किया। चार दिन चलीं इन मजलिसों में उलेमा बोले अल्लाह की मर्जी के बिना कोई काम नहीं होता। ये अकीदा तोड़ने से खराब हालात होंगे। नेक राह जो बताई गई है, उस पर चलने वाले बनो तो तुम्हारी हर परेशानी खत्म हो जाएगी। आपसी रिश्ते बेहतर रखने और सबके काम आने की हिदायत भी मजमे को दी गई।

सम्पादकीय

देश की आर्थिक वृद्धि दर घटने से मंदी को लेकर चिंता बढ़ी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के लिए भारत के जीडीपी के आंकड़े आ गए हैं। इस दौरान देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 5.4त्न रह गई है जो इसका दो साल का निचला स्तर है। खुदरा खाद्य मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 10.87त्न हो गई, जिससे क्रय शक्ति में काफी कमी आई। इस अवधि के दौरान कॉरपोरेट इनकम में भी आर्थिक प्रतिकूलता दिखाई दी है। प्रमुख भारतीय फर्मों ने जुलाई-सितंबर की अवधि के लिए चार वर्षों में अपने सबसे कमजोर तिमाही प्रदर्शन की रिपोर्ट की है। इस मंदी ने निवेश और व्यापार विस्तार योजनाओं में संभावित मंदी को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

जीडीपी यानी ग्रॉस डेमेस्टिक प्रोडक्ट। इसका ग्रोथ रेट मतलब किसी भी देश की आर्थिक विकास दर। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के लिए भारत के जीडीपी के आंकड़े आ गए हैं। इस दौरान देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 5.4त्न रह गई है जो इसका दो साल का निचला स्तर है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 8.1त्न और इस साल अप्रैल-जून तिमाही के 6.7त्न थी। हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कंजप्शन या उपभोग में कमी और कुछ प्रमुख क्षेत्रों पर प्रतिकूल मौसम का प्रभाव जीडीपी के आंकड़ों पर दिखा है। पहले ही अर्थशास्त्रियों ने ऐसी भविष्यवाणी की थी। जीडीपी ग्रोथ का पिछला निम्न स्तर 4.3 प्रतिशत था जो वित्त वर्ष 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दर्ज किया गया था। जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर 5.4 फीसद रहने के आंकड़े स्वाभाविक रूप से निराशाजनक हैं। हालांकि जुलाई-सितंबर की तिमाही में अकसर विकास दर सुस्त देखी जाती है, मगर आर्थिक संगठनों और खुद सरकार ने इसके करीब सात फीसद के आसपास रहने का अनुमान लगाया था। अब कहा जा रहा है कि अगली छमाही में विकास दर अच्छी रहेगी। अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चूंकि त्योहारी मौसम की होती है, इसलिए इसमें वृद्धि देखी ही जाती है। मगर ताजा आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद को लेकर चिंता पैदा करते हैं। दूसरी तिमाही में सबसे बुरी गत विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की रही। विनिर्माण क्षेत्र की विकास दर 2.2 फीसदी दर्ज हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 14.3 फीसदी थी। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की समान अवधि की 13.6 फीसद से घटकर 7.7 पर पहुंच गई। इसी तरह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में वृद्धि दर घटकर 3.1 फीसदी रह गई, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.7 फीसदी थी। कृषि जैसे कुछ क्षेत्रों में मामूली वृद्धि को छोड़ दें, तो ज्यादातर क्षेत्रों में विकास दर सुस्त ही दर्ज हुई है। इस सुस्ती के पीछे तर्क दिए जा रहे हैं कि रेपो दर ऊंची रहने और महंगाई पर काबू न पाए जा सकने की वजह से उपभोक्ता व्यय घटा है। इसके अलावा राजस्व घाटा कम करने के उद्देश्य से सरकारी व्यय भी कम कर दिया गया है। इसका असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ा है। मगर फिलहाल इन स्थितियों में सुधार की बहुत संभावना नजर नहीं आती। विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर सुस्त रहने का अर्थ है कि बड़े पैमाने पर लोगों के सामने रोजगार का संकट बढ़ा है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है। रोजगार और लोगों की कमाई घटने का स्वाभाविक असर उपभोक्ता व्यय पर पड़ता है। लोग केवल जरूरी चीजों की खरीदारी करते हैं, विलासिता की और टिकाऊ कही जाने वाली वस्तुओं की खरीद कम होने लगती है। स्वाभाविक ही इससे उत्पादन घट जाता है। यह भी एक महत्त्वपूर्ण तथ्य है कि पिछले नौ-दस वर्षों में लोगों की मजदूरी और औसत वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लंबे समय से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तब तक आर्थिक विकास के सारे उपाय तदर्थ ही साबित होंगे। अर्थव्यवस्था में मजबूती के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर भी संतुलन साधने की जरूरत होती है। निर्यात के मामले में लगातार निराशाजनक तस्वीरें आती रही हैं। चीन आदि देशों के साथ हमारा व्यापार घाटा निरंतर बढ़ रहा है। इसी तरह बेशक जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी के आंकड़े दर्ज हो रहे हों, पर हकीकत में राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है।

पत्तों की तरह सड़कों पर बिखरी पड़ी थी लाशें

यह कहानी है भोपाल गैस त्रासदी की, भोपाल के इतिहास का वो काला दिन जिसे याद कर आज भी लोगों की रूह कांप जाती है। 3 दिसंबर की सुबह मातम की सुबह थी। गैस का असर कम हो चला था। बाहर से मदद आ गई थी। सड़कों पर चारों तरफ लाशें ही लाशें थीं। अस्पतालों में इतनी भीड़ थी कि उनके गेट बंद करने पड़ गए। शुरुआत में डॉक्टर्स को कुछ समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ है। हालांकि सबके एक ही लक्षण और बाद में मिली जानकारी से डॉक्टर्स ने ट्रीटमेंट शुरू कर दिया। अस्पतालों के बाहर भी लाशें बिछीं थी। सिर्फ इंसान ही नहीं, जानवरों को भी गैस लीक से जान गंवानी पड़ी। एक अनुमान के मुताबिक लगभग 30000 इंसान और 2 से 3 हजार जानवरों ने इस त्रासदी में अब तक जान गंवा दी है।

साल 1984, दिसंबर का महीना और कड़ाके की सर्दी। तारीख थी 2 दिसंबर, आधी रात को जब लोग गहरी नींद में थे, तब किसे पता था कि इनमें से कई अब कल का सूरज नहीं देख पाएंगे। यह कहानी है भोपाल गैस त्रासदी की, भोपाल के इतिहास का वो काला दिन जिसे याद कर आज भी लोगों की रूह कांप जाती है।

चलिए फ्लैशबैक में चलते हैं। 2 दिसंबर 1984 की आधी रात का समय। अमेरिकी कंपनी यूनियन कार्बाइड के भोपाल कारखाने में गिने-चुने कर्मचारी काम कर रहे थे। इस कारखाने में कीटनाशक बनाने का काम होता था, जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट नाम की गैस की मदद से बनाया जाता था। इस गैस का पानी के साथ रिएक्शन इसे और खतरनाक बनाता है। उस दिन कर्मचारी केमिकल प्रोसेसिंग यूनिट की सफाई कर रहे थे। इसकी सफाई में इस्तेमाल पानी बहते हुए गैस के स्टोरेज टैंक तक पहुंच गया। धीरे-धीरे गैस ने पानी के साथ रिएक्ट किया। इसका पता भी तब चला जब वहां मौजूद कर्मचारियों की आंखें जलने लगीं।

इस त्रासदी में बचे लोग बताते हैं कि कारखाने में अचानक सायरन की आवाज आई। पहले लगा कि मॉकड्रिल चल रही है, बाद में जब सबकी आंखें जलने लगीं और सांस लेने में तकलीफ हुई तो पता चला कि यह आपातकाल का सायरन था। इस सायरन की आवाज और लोगों में मची अफरातफरी से पूरे शहर में हाहाकार मच गया। जिसको जहां जगह मिल रही थी या जो समझ आ रहा था, वो उसी तरफ दौड़ता जा रहा था। उस काली रात को याद कर आज भी लोगों की आंखों में आंसू आ जाते हैं।

3 दिसंबर की सुबह मातम की सुबह थी। गैस का असर कम हो चला था। बाहर से मदद आ गई थी। सड़कों पर चारों तरफ लाशें ही लाशें थीं। अस्पतालों में इतनी भीड़ थी कि उनके गेट बंद करने पड़ गए। शुरुआत में डॉक्टर्स को कुछ समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ है। हालांकि सबके एक ही लक्षण और बाद में मिली जानकारी से डॉक्टर्स ने ट्रीटमेंट शुरू कर दिया। अस्पतालों के बाहर भी लाशें बिछीं थी। सिर्फ इंसान ही नहीं, जानवरों को भी गैस लीक से जान गंवानी पड़ी। एक अनुमान के मुताबिक लगभग 30000 इंसान और 2 से 3 हजार जानवरों ने इस त्रासदी में अब तक जान गंवा दी है। हालांकि सरकारी आंकड़े अलग कहानी कहते हैं। मध्यप्रदेश सरकार के आधिकारिक आंकड़ों में इस हादसे में 3 हजार लोगों की मौत हुई थी।

1984 की उस काली रात को यूनियन कार्बाइड नाम की कंपनी से लगभग 60 टन मिथाइल आइसोसाइनेट गैस लीक हुई। यह इतनी खतरनाक गैस थी कि जो भी इसके संपर्क में आया, वो या तो दुनिया छोड़ गया या वो जिंदगीभर के लिए दिव्यांग हो गया। जो सो रहे थे वो सोते ही रह गए। यही नहीं, इस गैस के प्रभाव का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि उस समय की गर्भवती महिलाओं के बच्चे तक अपंग पैदा हुए। आज भी इसका प्रभाव भोपाल के कुछ इलाकों में देखने को मिल जाता है। यूनियन कार्बाइड कारखाने के मालिक वॉरेन एंडरसन इतने बड़े हादसे के बाद अमेरिका भाग गया। वो कभी भारत लौटकर भी नहीं आया। मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने एंडरसन को गिरफ्तार भी कराया लेकिन अमेरिकी सरकार के दवाब में आकर भारत सरकार ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया। शर्त यह थी कि जब भी कानून उसे बुलाएगा तो उसे आना पड़ेगा। हालांकि एक बार जाने के बाद वह लौटा नहीं। उसके खिलाफ दो बार वारंट जारी हुए, इसके बावजूद वो नहीं लौटा। इतनी बड़ी त्रासदी के लिए बिना सजा पाए 2014 में एंडरसन की मौत हो गई। भोपाल गैस कांड को अब 40 साल हो चुके हैं। हादसे के पीडितों के इंसाफ की डगर भी लगभग इतनी ही लंबी है। इस हादसे में मृत लोगों के आंकड़ों को लेकर विवाद रहा है। आधिकारिक और वास्तविक मौतों में कई हजार का अंतर है। यही वजह है कि मुआवजे को लेकर कई तरह के आंदोलन यहां चले। मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी गया। न्यायालय में पेश आंकड़े भी वास्तविक आंकड़ों से बहुत कम हैं। वर्ष 2010 में तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह ने तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह को मरने वालों और पीड़ितों के आंकड़ों को लेकर आपत्ति जताई थी। अभी तक इस त्रासदी के पीड़ित मुआवजे और इंसाफ को लेकर न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उनके लिए यह इंतजार भी किसी त्रासदी से कम नहीं है।

बता दें कि गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड परिसर में दबे जहरीले कचरे ने पीड़ितों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वर्ष 2018 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, लखनऊ द्वारा जारी रिपोर्ट ने पुष्टि की थी कि कारखाने के आसपास के भूजल में हेवी मेटल और ऑर्गनो क्लोरीन मौजूद हैं। ये तत्व कैंसर और किडनी से जुड़ी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। रिपोर्ट में 42 बस्तियों के भूजल की जांच की गई थी, जिसमें प्रदूषण के खतरनाक स्तर का खुलासा हुआ। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इन क्षेत्रों में नर्मदा जल की आपूर्ति शुरू की गई। हालांकि, पर्यावरण कार्यकर्ताओं का दावा है कि प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र इससे आगे भी बढ़ चुका है। गैस पीड़ित संगठनों के मुताबिक, रैपिड किट से की गई जांच में कारखाने के तीन किलोमीटर दायरे में आने वाली 29 अन्य कॉलोनियों में भी ऑर्गनो क्लोरीन पाया गया है। लेकिन, इस पर बड़े पैमाने पर जांच और कार्रवाई की जरूरत है। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फर्मेशन एंड एक्शन की संचालक रचना ढींगरा के मुताबिक त्रासदी से पहले ही यूनियन कार्बाइड परिसर में गड्ढे बनाकर जहरीला रासायनिक कचरा दबा दिया जाता था। इसके अलावा, तीन तालाबों में पाइपलाइन के जरिये जहरीले अपशिष्ट को छोड़ा जाता था। आज भी यह कचरा जमीन के भीतर मौजूद है और जल स्रोतों को दूषित कर रहा है। सरकार ने कारखाने में मौजूद कचरे को नष्ट करने के लिए 126 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है, जिसे पीथमपुर में जलाया जाना है। लेकिन इस प्रक्रिया में देरी और पारदर्शिता की कमी के चलते अब तक ठोस समाधान नहीं निकला है।

गैस पीड़ितों के पुनर्वास के लिए 2010 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 272 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। इसमें 75त्न हिस्सा केंद्र सरकार और 25त्न हिस्सा राज्य सरकार का था। लेकिन 14 साल बाद भी इस राशि का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं हो पाया है। गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग अब तक इस राशि को खर्च करने की ठोस योजना नहीं बना पाया है। आर्थिक पुनर्वास के लिए मिले 104 करोड़ रुपए में से केवल 18 करोड़ रुपये स्वरोजगार प्रशिक्षण पर खर्च किए गए, बाकी राशि बिना उपयोग के पड़ी है।सामाजिक पुनर्वास के लिए आवंटित 40 करोड़ रुपए में विधवाओं को पेंशन देने का प्रावधान है। फिलहाल 4399 महिलाओं को पेंशन दी जा रही है, लेकिन 2011 से यह राशि मात्र 1000 रुपए प्रति माह है। इसे बढ़ाने या नए लाभार्थियों को शामिल करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। गैस पीड़ितों के लिए काम कर रहे संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता लगातार सरकार से उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जहरीले कचरे का निस्तारण और प्रदूषित भूजल की नए सिरे से जांच प्राथमिकता होनी चाहिए। भोपाल गैस त्रासदी के चार दशक बाद भी पीड़ितों का संघर्ष जारी है। न केवल वे अपने स्वास्थ्य और जीविका के लिए जूझ रहे हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं और न्याय की लड़ाई में भी खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। यह त्रासदी न केवल भोपाल बल्कि पूरे देश के लिए एक चेतावनी है कि औद्योगिक लापरवाही कितनी विनाशकारी हो सकती है।

भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल बीत गए लेकिन पीड़ितों का संघर्ष खत्म नहीं हुआ है. गंभीर बीमारियों का शिकार हो चुके उचित मुआवजे के लिए अब भी दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। पिछले दिनों इस संबंध में पीड़ितों के लिए काम करने वाले चार संगठनों (गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ, गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ, भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन और भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा) ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका भी दायर की है। याचिका में कैंसर और घातक किडनी रोगों से ग्रस्त उन पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग की गई है, जिनकी गैस के संपर्क में आने से हुई शारीरिक नुकसान को गलत तरीके से अस्थायी क्षति के श्रेणी में रखा गया था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: बीजेपी गठबंधन की बड़ी जीत और विपक्ष की हार के मायने

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की दिशा दोनों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और उसकी सहयोगी पार्टियों ने निर्णायक जीत दर्ज कर सत्ता में अपनी मजबूत पकड़ साबित कर दी है। दूसरी ओर, विपक्षी गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस चुनाव ने न केवल महाराष्ट्र की राजनीति को प्रभावित किया है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी कई संदेश दिए हैं।

बीजेपी गठबंधन की सफलता के कारण

बीजेपी गठबंधन की जीत का सबसे बड़ा कारण उसके मजबूत संगठन, स्पष्ट रणनीति, और विकास के एजेंडे का प्रभावी प्रचार है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की जोड़ी ने प्रशासनिक अनुभव और प्रभावशाली नेतृत्व का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जुझारू कार्यकर्ताओं की मेहनत और कुशल प्रबंधन ने भी इस सफलता में अहम भूमिका निभाई। इंदौर, मध्य प्रदेश के डॉ. निशांत खरे जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं ने अपने नेतृत्व कौशल और जमीनी रणनीतियों से चुनाव अभियान को मजबूती दी।

बीजेपी ने जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और क्षेत्रीय मुद्दों पर ध्यान दिया। किसानों की कर्जमाफी, बुनियादी ढांचे का विकास, और औद्योगिक निवेश के वादों ने ग्रामीण और शहरी मतदाताओं दोनों को आकर्षित किया। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, और देवेंद्र फडणवीस जैसे बड़े नेताओं की उपस्थिति ने पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरा।

विपक्षी गठबंधन की असफलता

विपक्षी गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, एनसीपी, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और अन्य क्षेत्रीय पार्टियां शामिल थीं, चुनाव में कोई प्रभावी संदेश देने में विफल रहा। इस गठबंधन में वैचारिक मतभेद और सामंजस्य की कमी साफ नजर आई। उद्धव ठाकरे और शरद पवार जैसे नेताओं की साख पर भी सवाल उठे, क्योंकि उनके गठबंधन में राजनीतिक एकजुटता और स्पष्ट नेतृत्व का अभाव था।

विपक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई, और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों को उठाने की कोशिश की, लेकिन इन पर उनकी तैयारी और विश्वसनीयता कमजोर रही। इसके अलावा, बीजेपी के मजबूत प्रचार तंत्र और प्रधानमंत्री मोदी की छवि के सामने विपक्ष की रणनीति बिखरी हुई दिखी।

चुनाव परिणामों के संदेश

बीजेपी गठबंधन की इस जीत से महाराष्ट्र में दो बड़े संदेश निकलते हैं। पहला, जनता ने स्थिरता और विकास को प्राथमिकता दी है। दूसरा, विपक्ष को यह समझने की जरूरत है कि केवल गठबंधन बना लेना और सत्ता-विरोधी लहर पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है।

यह चुनाव यह भी साबित करता है कि भारतीय मतदाता अब भावनात्मक मुद्दों की बजाय व्यावहारिक और विकास आधारित राजनीति को तरजीह दे रहे हैं। बीजेपी ने विकास कार्यों को अपनी पहचान बनाया है और अपने समर्थकों को यह विश्वास दिलाने में सफल रही है कि उनकी सरकार स्थिरता और समृद्धि ला सकती है।

विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

इस हार के बाद, विपक्ष को आत्ममंथन की आवश्यकता है। एनसीपी और कांग्रेस जैसे पारंपरिक दलों को यह समझना होगा कि उनकी पुरानी रणनीतियां अब काम नहीं करेंगी। शिवसेना (उद्धव गुट) के लिए यह चुनाव एक और झटका है, जो पहले ही पार्टी विभाजन और मतदाताओं का विश्वास खो चुका है।

विपक्ष को अपनी नीतियों और रणनीतियों को नए सिरे से तैयार करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि जनता के साथ संवाद स्थापित किए बिना, उनकी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किए बिना, और एक ठोस विकल्प दिए बिना, वे बीजेपी के मजबूत संगठन और प्रचार तंत्र का मुकाबला नहीं कर सकते।

आगे की राह

बीजेपी गठबंधन की यह जीत उन्हें आत्मसंतुष्ट होने का कारण नहीं दे सकती। महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में जनता की अपेक्षाएं अधिक हैं, और उन्हें अपने वादों को पूरा करने के लिए तत्पर रहना होगा। किसानों की समस्याओं, शहरी बुनियादी ढांचे, बेरोजगारी, और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर ठोस काम करना होगा।

दूसरी ओर, विपक्ष को अपने नेतृत्व, संगठन और चुनावी रणनीतियों को मजबूत करना होगा। केवल आलोचना करने से जनता का भरोसा वापस पाना संभव नहीं होगा।

निष्कर्ष

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय राजनीति में अब विकास और स्थिरता सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। बीजेपी गठबंधन की जीत यह दिखाती है कि जनता भरोसेमंद नेतृत्व और ठोस कार्यों को प्राथमिकता देती है। आरएसएस और उसके समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत ने इस जीत में बड़ी भूमिका निभाई है। विपक्ष के लिए यह चुनाव एक सबक है कि बिखरे हुए प्रयास और कमजोर रणनीति से वे जनता का समर्थन नहीं जीत सकते। अगर विपक्ष को भविष्य में किसी बड़ी चुनौती के रूप में उभरना है, तो उसे खुद को नई सोच और दृष्टिकोण से तैयार करना होगा।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की दयनीय स्थिति: प्राथमिक चिकित्सा का अभाव

भारत जैसे विशाल देश में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता हमेशा से एक अहम मुद्दा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लोगों को प्राथमिक चिकित्सा के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के छिपछिपी गांव की घटना इसी चुनौतीपूर्ण स्थिति को उजागर करती है, जहां एक घायल महिला को एंबुलेंस न मिलने के कारण खाट पर लिटाकर अस्पताल ले जाना पड़ा। यह घटना केवल एक उदाहरण नहीं है, बल्कि एक ऐसी समस्या है जो देश के अधिकांश ग्रामीण इलाकों में व्याप्त है।

महिला को एंबुलेंस न मिलने की घटना

छिपछिपी गांव की इस घटना में एक महिला का पैर बैलों की लड़ाई के दौरान टूट गया। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को कॉल किया, लेकिन उन्हें बताया गया कि एंबुलेंस उपलब्ध नहीं है। मजबूरन, परिजनों ने महिला को खाट पर लिटाया और फिर उसे पिकअप वाहन से मनेंद्रगढ़ अस्पताल पहुंचाया। यह घटना न केवल राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की लचर स्थिति को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि आम लोगों के जीवन को लेकर प्रशासन कितना असंवेदनशील हो सकता है।

सरकार और विपक्ष की प्रतिक्रियाएँ

वीडियो वायरल होने के बाद विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाते हुए सरकार की विफलता पर सवाल उठाए। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोशल मीडिया पर सरकार पर तंज कसते हुए लिखा, दिया तले अंधेरा। उन्होंने कहा कि जब मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं इतनी बदहाल हैं, तो अन्य इलाकों की स्थिति की कल्पना करना मुश्किल नहीं है। यह घटना सरकार के उन दावों पर भी सवाल खड़े करती है, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की बात की जाती है।

स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा- चुनौतियां और समाधान

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद कमजोर है। अधिकांश स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी है। आवश्यक दवाओं और उपकरणों का भी अभाव है। 108 एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं का उद्देश्य भले ही ग्रामीण लोगों को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान करना हो, लेकिन इसका क्रियान्वयन अक्सर लचर साबित होता है। छिपछिपी गांव की घटना इसी बात का प्रमाण है।

सरकार को प्राथमिकता के आधार पर इन समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने चाहिए। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की नियुक्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं में बजट बढ़ाने के साथ-साथ इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

स्टाफ़ की लापरवाही और उदासीनता का प्रभाव

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के पीछे कई बार स्टाफ़ की लापरवाही और उदासीनता भी एक प्रमुख कारण होती है। एंबुलेंस सेवाओं के तहत वाहनों की अनुपलब्धता या ड्राइवरों का समय पर न पहुंचना, अक्सर प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम होता है। ऐसी लापरवाही न केवल मरीजों की जान के लिए खतरनाक हो सकती है, बल्कि यह नागरिकों का सरकार और स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास भी कम करती है। छिपछिपी गांव की घटना से यह स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए केवल योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है। योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने और जिम्मेदारियों को ठीक से निभाने की जरूरत है। यदि स्टाफ़ की उदासीनता और प्रशासनिक लापरवाही को समय रहते नहीं रोका गया, तो ऐसी घटनाएं आगे भी होती रहेंगी, जो मानव जीवन के लिए बेहद घातक साबित हो सकती हैं। छिपछिपी गांव की घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह एक संकेत है कि राज्य की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं कितनी कमजोर हैं। सरकार को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि हर नागरिक को त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सहायता मिले।

स्टाफ़ की जवाबदेही तय करना और स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी मांग है। केवल तभी ऐसी हृदयविदारक घटनाओं से बचा जा सकेगा और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास हो सकेगा।

दून हिल्स एकेडमी में ब्रेन बूस्टेबल संस्था के तत्वावधान में जिला स्तरीय एबेकस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों ने जटिल गणितीय संख्याओं को चुटकी में गुणा-भाग कर अपनी प्रतिभा दिखाई

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

देवबंद । सहारनपुर, दून हिल्स एकेडमी में ब्रेन बूस्टेबल संस्था के तत्वावधान में जिला स्तरीय एबेकस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों ने जटिल गणितीय संख्याओं को चुटकी में गुणा-भाग कर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता व क्षेत्रीय मंत्री विजयपाल सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रतियोगिता में दून हिल्स एकेडमी, दून वैली स्कूल, आरआर इंटरनेशनल स्कूल अंबहेटा शेखां, सनराइज एकेडमी, एल्पाइन विद्यापीठ थानाभवन, मोंटफोर्ट स्कूल गागलहेड़ी, बीजीडीएस इंटर कालेज गंगोह व जिला सिंह पब्लिक इंटर कालेज नकुड़ समेत विभिन्न विद्यालयों के बच्चे शामिल रहे। प्रथम ग्रुप में रूपराम इंटरनेशनल स्कूल छुटमलपुर के युवराज ने प्रथम, एल्पाइन विद्यापीठ थानाभवन की अदिशा ने द्वितीय और बीजीडीएस इंटर कालेज गंगोह की दिव्यांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय ग्रुप में एल्पाइन विद्यापीठ थानाभवन के अखंड प्रथम, मोंटफोर्ट स्कूल गागलहेड़ी की अनिका त्यागी द्वितीय और ब्रेन बूस्टेबल की झलक तृतीय स्थान पर रही। ब्रेन बूस्टेबल के संस्थापक अरिहंत जैन व कंवरपाल सिंह ने कहा कि एबेकस के द्वारा बड़ी से बड़ी गणना बिना कैलकुलेटर की सहायता के सरलता से की जा सकती है। संस्था के चेयरमैन डा. प्रदीप वर्मा व डायरेक्टर तनुराज वर्मा ने अतिथियों व विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया।

आर. के. पब्लिक स्कूल में द्वितीय खेल महोत्सव का हुआ आयोजन, बच्चों ने बढ़- चढ़कर लिया हिस्सा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

देवबंद । सहारनपुर, आर. के. पब्लिक स्कूल में द्वितीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के हेड बॉय वह हेड गर्ल ने मसाल जलाकर किया। मुख्य अतिथि के रूप में देवबंद के पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग व हिमालय पब्लिक स्कूल के चेयरमैन बिजेंद्र ने मां सरस्वती की आराधना कर खेल का शुभारंभ किया। खेल महोत्सव के प्रथम दिवस की शुरुआत 100 मीटर व 200 मीटर रेस के साथ हुई। जिसमें लगभग 22 स्कूलों ने भाग लिया। इस दौरान 100 मीटर रेस (9 to 12th girls) में आर. के. पब्लिक स्कूल की छात्रा आयुषी ने प्रथम स्थान, हिमालय पब्लिक स्कूल से पीहू ने द्वितीय स्थान एवं दून वैली से अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर रेस में गुरुराम राय की छात्रा सृष्टि ने प्रथम, हिमालय पब्लिक स्कूल की छात्रा भारती ने द्वितीय, एवं दून वैली से अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।200 मीटर रेस में (9 to 12th ब्वॉय) संस्कार भारती से तनिष्क त्यागी ने प्रथम स्थान, मेपल्स अकैडमी से सूर्य प्रताप ने द्वितीय एवं हिमालय पब्लिक स्कूल से गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। और 200 मीटर रेस में कक्षा (3 to 5th ब्वॉय) मे गोडविन पब्लिक स्कूल से आयुष ने प्रथम, आर. के. पब्लिक स्कूल से कार्तिक ने द्वितीय, एवं आर. आर डी इंटरनेशनल स्कूल से रक्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गर्ल्स 400 मीटर रेस में (6 to 8) दून वैली की छात्रा ग्रंदा ने प्रथम स्थान, विज़न अकादमी की छात्रा सफिया ने द्वितीय स्थान एवं रेड रोज पब्लिक स्कूल की छात्रा प्राणु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। (9 to 12th गर्ल्स) में सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल की छात्रा भारती ने प्रथम एवं दून वैली की अनुष्का ने द्वितीय व वृंदा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मी बॉयज रेस में संस्कार भारती से तनिष्क त्यागी ने प्रथम, एस आर विद्यापीठ से वंश देशवाल ने द्वितीय एवं आर. के. पब्लिक से करन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खेल महोत्सव के द्वितीय दिन बैडमिंटन, खो-खो, कबड्डी, एवं रिले रेस खेलों का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रेड रोज पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष सतवीर सिंह जी उपस्थित रहे। जिसमें (रिले रेस गर्ल्स) में गुरुराम राय पब्लिक स्कूल ने प्रथम, आर. के. पब्लिक स्कूल ने द्वितीय एवं हिमालय पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रिले रेस बॉयज में मेपल्स अकैडमी ने प्रथम आर के पब्लिक स्कूल ने द्वितीय एवं दून वैली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खो खो (3 to 8th) गर्ल्स में आर. के. पब्लिक स्कूल ने प्रथम और आर-आर इंटरनेशनल स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन 9 to 12) ब्वॉय में मेपल्स अकैडमी ने प्रथम दून वैली ने

द्वितीय एवं गुरु राम राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । (6 to 8) ब्वॉय में आर. के. पब्लिक स्कूल ने प्रथम, संस्कार भारती ने द्वितीय, एवं दून वैली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 3 to 5th बॉयज में दून वैली ने प्रथम, संस्कार भारती ने द्वितीय, आर. के पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी बॉयज में आर. के. पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं कबड्डी (गर्ल्स) में रेड रोज पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष राजेश चौहान, कुलदीप राणा, स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. नीरज लता शर्मा व उप- प्रधानाचार्या मोनिका कपूर ने बच्चों को मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया एवं उनका हौंसला बढ़ाया।

रामकथा का आयोजन कर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी

आने वाली पीढी रास्ते से भटकती जा रही है, आजकल के बच्चों में शिक्षा व अध्यात्म का अभाव हो गया है - स्वामी प्रियादास जी महाराज

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, गीता प्रचार समिति सेवा ट्रस्ट देवबंद की ओर से श्री गीता भवन देवबंद में 2 दिसम्बर से 10 दिसम्बर तक संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्री रामकथा के इस भव्य आयोजन पर देवबंद में आज एक भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी। श्री गीता भवन में कलश यात्रा का उद्घाटन श्रीमती सुदेश शर्मा ने, श्री रामचरित मानस, प्रदीप सिंघल ने, धर्म ध्वजारोहण प्रिस अवनीश शर्मा ने, प्रसाद वितरण श्रीमती मंजू शर्मा पत्नि छत्रपाल शर्मा ने तथा कथा के शुभारंभ पर दीप प्रज्वलित श्रीमती विमला देवी ने एवं ठाकुर जी को माल्यार्पण श्रीमती विजय शर्मा ने किया। इस अवसर पर स्वामी प्रियादास जी महाराज ने अपने श्रीमुख से संगीतमय राम कथा की अमृत वर्षा करते हुए कहा कि आने वाली पीढी रास्ते से भटक रही है। एक बच्चे से पूछा की बेटा श्रीराम के विषय में जानते हो तब बच्चे ने कहा वो राम जिसको दादी रटती है या वो राम जो हमारी बुक में है। आजकल के बच्चों में शिक्षा व अध्यात्म का अभाव हो गया है। इस अवसर पर अजय बंसल, पंकज गोयल, सुनील कर्णवाल, सुधीर गर्ग रितेश बंसल एडवोकेट, संजय मित्तल, अखिल शर्मा, राजकुमार जाटव, सुनील बंसल, श्रीमती मीरा देवी, मधु शर्मा, कांता त्यागी प्रमुख से उपस्थित रहे। 11 दिसम्बर को समिति की ओर से नर नारायण सेवा कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवारों को ट्राई साईकिल, बैसाखी, लिहाफ, स्कूल जर्सी, कम्बल आदि वितरित किये जायेगे।

1952 में विलुप्त हुई सिंधली नदी होगी पुनर्जीवित पांच करोड़ रूपए मंजूर : डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि सहारनपुर की सिंधली नदी जिसका अस्तित्व 1952 तक था और उसके बाद इस नदी पर अवैध कब्जे हो गए और बड़े-बड़े मकान बना दिए गए। इसे पुनर्जीवित करने का काम शुरू किया जा रहा है। इसके- लिए पांच करोड़ रूपए का बजट स्वीकृत हुआ है। उन्होंने बताया कि नदी के ऊपर से सभी तरह का अतिक्रमण खत्म कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयास तीन माह पहले शुरू किए गए थे। नकुड़ की एसडीएम संगीता राघव इस नदी के स्थलों पर से अतिक्रमण को हटाने में लगी हुई हैं। कुछ किसान भी इस नदी की जमीन पर अवैध कब्जा कर खेती कर रहे हैं।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि सहारनपुर आने के बाद उन्होंने राजस्व विभाग का रिकार्ड खंगाला तो 1952 के आसपास 1359 ईस्वी में एक संकरे नाले के रूप में नदी का अस्तित्व मिला। शामली तक बहने वाली यमुना की यह सहायक सिंधवी नदी जिसकी लंबाई 36 किलोमीटर थी जिस पर अवैध कब्जे के कारण विलुप्त हो गई थी। ध्यान रहे इससे पूर्व संभल में जिलाधिकारी रहने के दौरान मनीष बंसल ने वहां की 110 किलोमीटर लंबी शोध नदी को पुनर्जीवित करने का कार्य किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के कार्यक्रम में मनीष बंसल की सराहना की थी। सिंधली नदी का उद्गम स्थल बैंगनी हैदरपुर था। जहां से यह नदी शाहजहांपुर होते हुए सिरस्का, सनौली, सलारपुर, कल्लरहेड़ी, आलमपुर, लखनौती,शकरपुर और बीनपुर गांव तक प्रवाहित होती थी। बाजापुर में यह नदी यमुना नदी में मिल जाती थी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने भरोसा दिलाया कि सिंधली नदी शीघ्र ही अपने पुराने स्वरूप में दिखेगी।

धरने पर बैठी भैंस, लोग बजाने लगे बीन

देख हंस-हंस के लोटपोट हुए सब, हैरान कर देगा मामला

सुनील यादव। सिटी चीफ

कटनी, कटनी के जनपद पंचायत की अध्यक्ष अपने सदस्यों और समर्थकों के साथ कार्यालय के सामने भैस बांध धरने पर बैठ अनोखा प्रदर्शन किया। धरने पर बैठे समर्थकों ने भैंस के सामने बिन बजा प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए।

धरने पर बैठी जनपद पंचायत की अध्यक्ष गीता बाई ने आरोप लगाते हुए बताया कि जनपद के अधिकारी और कर्मचारी उनकी एक नहीं सुनते है वही यह भी आरोप लगाया कि यहां के सहायक इंजीनियर एस के खुर्द ग्राम पंचायत के निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार कर रहे है। जिन्हें तत्काल निलंबित किया जाए। जनपद पंचायत अध्यक्ष गीता बाई और उनके सदस्यों और समर्थकों ने बताया कि यहां के सहायक इंजीनियर एस के खुर्द द्वारा पंचायत के निर्माण कार्यों में धांधली लगातार कर रहे है, अभी तक जो भी ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य हुआ है, उसकी गुणवत्ता में कमी पाई गई, जांच के लिए उनके द्वारा मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कटनी को पत्र लिखा गया लेकिन जांच टीम में ही सहायक यंत्री एस के खुर्द को ही जांच अधिकारी बनाया परन्तु आज दिनांक तक जितनी भी जांच रिपोर्ट एस के खुर्द द्वारा दी गई वह गलत थी। वही जब जनपद पंचायत अध्यक्ष गीता बाई ने इन सभी की जांच रिपोर्ट मांगी तो जनपद पंचायत के अधिकारियों ने उन्हें यह कह कर रिपोर्ट नहीं दी कि जांच रिपोर्ट एक गुप्त दस्तावेज है, इसलिए जांच रिपोर्ट उन्हें नहीं दे सकते है। इन्हीं सभी से आक्रोशित जनपद पंचायत अध्यक्ष गीता बाई अपने सदस्यों और समर्थकों के साथ कार्यालय के सामने भैस बांध अनोखा प्रदर्शन करते हुए दिखाई दी और ग्राम पंचायत के निर्माण कार्य में सहायक इंजीनियर एस के खुर्द को तत्काल निलंबित की कार्यवाही के लिए धरने पर बैठ अनोखा प्रदर्शन किया।

2 साल से अटका कस्टम मिलिंग का 80 से 100 करोड़, मिलर्स ने कहा प्रेमेंट और अपग्रेडेशन राशि न मिलने पर बंद हो जाएगी मिलिंग

वारदाना के मूल्य को घटाने से मीलर्स को रहा है घाटा ..राइस मील के संचालक हो रहे है परेशान ..सरकार की नीतियों से राइस मील को हो रहा है नुकसान

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, एमपी के कटनी में 2 वर्षों से धान मिलिंग की राशि न मिलने से राइस मिलर्स नाराज चल रहे है। उन्होंने मिलिंग से जुड़े भुगतान और अपग्रेडेशन न देने पर इस वर्ष अनुबंध न करने का फैसला लिया है यानि शासन द्वारा धान तो खरीदी की जाएगी लेकिन उससे बनने वाला चावल अब नहीं बन पाएगा। इसकी मुख्य वजह उन्हें पिछले 2 वर्षों से किए गए कार्यों का भुगतान न होना बताया जा रहा है दरअसल वर्ष 2022-23 और 2023-24 में जिले के 73 राइस मील संचालकों ने नागरिक आपूर्ति निगम से अनुबंध करते हुए केंद्रों से धान का उठाव करते हुए कस्टम मिलिंग की थी लेकिन उन्हें कार्य पूरा करने के बाद भी भुगतान के नाम पर कुछ ही राशि मिली। राइस मील एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक असरानी ने बताया कि हम राइस मिलर्स को 2 वर्षों का करीब 80से 100 करोड़ रु का भुगतान फंसा हुआ है जिसमें 2023 का करीब 20 करोड़ तो 2024 का 80 करोड़ बकाया है। ऐसे में हम लोग मील के कर्मचारियों का भुगतान, बिजली का बिल, रख-रखाव सहित बैंक लोन की किस्त कैसे दे। यही नहीं इस वर्ष के लिए यदि मिलिंग करना है हो अनुबंध राशि का कोई जुगाड़ नहीं है जबकि सभी मिलर्स कई बार शासन-प्रशासन से मिलकर अपनी समस्या से अवगत करवाया है लेकिन आज दिनांक तक कोई हल नहीं निकला है इसलिए हम लोगों ने इस बार मिलिंग न करने का निर्णय लिया है वही धान की सुखत का लाभ जैसे वेयर हाउस को दिया जाता है वैसे ही राइस मीलर्स को भी दिया जाए ..जिले में करीब 77 राइस मिलर्स है जिनमें से 73 मील संचालक शासन से अनुबंध करते हुए कस्टम मिलिंग करते है जिन्होंने हाल ही में अपने 6 बिंदुओं में अपनी मूल समस्याओं को लिखकर कटनी कलेक्टर, मुख्य सचिव भोपाल सहित खाद्यमंत्री से मुलाकात करते हुए पत्र सौंपा है। जिसमें अपग्रेडेशन राशि निर्धारण और भुगतान, मिलिंग राशि भुगतान, धान उठाव में सुखद व्यय, लोडिंग एवं अनलोडिंग एवं बारदाने की मूल्यों में की गई कटौती जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल है। वही कटनी नागरिक आपूर्ति निगम प्रबंधक एल.के. शर्मा ने बताया कि हेड ऑफिस ने फंड की कमी के चलते 2 वर्षों से भुगतान नहीं हो पा रहा है हम लगातार फंड की डिमांड करते हैं जैसे जैसे पैसा आता है हम सभी की कुछ न कुछ राशि जारी करते है। हाल ही में 18 करोड़ का भुगतान हुआ है इस बार फिर हमने 12 करोड़ के पेंडिंग बिल लगाकर डिमांड रखी है ताकि राइस मिलर्स को कुछ राहत दी जा सके। राइस मील एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक आसरानी ने बताया कि इस बार हम सभी राइस मिलर्स अपग्रेडेशन राशि और सभी प्रकार के भुगतान होने के बाद ही कस्टम मिलिंग का कार्य करेंगे। क्योंकि इस बार न तो हमारे पास अनुबंध के लिए कोई राशि है मील संचालन का पैसा, एसोसिएशन द्वारा कई बार पत्राचार किया लेकिन सिर्फ हमे आश्वासन मिला है लेकिन इस बार हम आश्वासन पर काम नहीं करेंगे। तो वही हम सभी प्रदेश के करीब 800 राइस मिलर्स भोपाल जाकर हमारे मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात करते हुए अपनी सभी मांगों को रखेंगे और समस्याओं का हल होने के बाद ही मिलिंग कार्य शुरू करेंगे।

विश्व विकलांग दिवस को लेकर विकासखंड स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं सम्पन्न

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को मो. बड़ोदिया में विकासखंड स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सुबह 10 बजे आयोजित सीडब्ल्यूएसएन खेलकूद, सामर्थ्य प्रदर्शन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ बीआरसी विजय पगारे, बीएसी ब्रजमोहन कारपेंटर, बद्रीलाल अहिरवार, जनशिक्षक गोविंद पाटीदार, रामचंद्र मालवीय, उदयसिंह मालवीय, करण भिलाला, लेखपाल इरफान खान, देवेंद्र पाठक, ममता शर्मा के आतिथ्य में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं मालायार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में विकासखण्ड मो बड़ोदिया अंतर्गत शालाओं के 60 बच्चों द्वारा पंजीयन कर सहभागिता की गई। इस मौके पर दिव्यांग बच्चों ने रंगोली, रस्सी कूद, नींबू चम्मच 50-100 मीटर बालक-बालिका दौड़, चेयर रेस, गायन, डांस आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। खेलकूद, सामर्थ्य प्रदर्शन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में विजयी बच्चों को बीआरसी विजय पगारे के द्वारा पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। वहीं कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले समस्त बच्चों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर भूरेलाल राठौर, दुर्गाप्रसाद वर्मा, नंदकिशोर विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, परिजन और बच्चे मौजूद रहे। संचालन एमआरसी अनिल मालवीय ने किया तथा आभार नवीन कारपेंटर ने माना।

सेमरिया चौराहा से हवाई पट्टी तिराहे तक रोड के दोनों साईड का अतिक्रमण

आखिरकार किसके सह में किया जा रहा रोड में अतिक्रमण

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, जिले के सेमरिया चौराहे से बी टी आई कोलगवां थाना हवाई पट्टी तिराहे तक सड़क के दोनों ओर बाहर से आए हुए अवैध कंबल फर्नीचर बेचने वालों का अतिक्रमण है यह कहा से आए हैं कौन सी कंपनी है किसको टैक्स दे रहे हैं कोई पूछने वाला नहीं है सबसे बड़ी बात तो यह है की ठीक कोलगवां थाना की दीवार से सटाकर कंबलों की दुकान खोल दी गई है जहां एक ओर सहर का ब्यापारी दुकान किराए से लेकर ईस आसरे में व्यापार कर रहा है की ठंड के सीजन में अच्छी बिक्री करके अपने सपनों को पूरा कर सकेंगे वहीं दूसरी ओर हर वर्ष ठंड के सीजन में बिना किसी दस्तावेज बिना किसी किराए की दुकान और बिक्री पर बिना किसी टैक्स चुकाए सहर की ब्यस्त सड़कों पर अतिक्रमण कर लाखों का व्यापार कर रहे हैं शहर का यातायात अमला भी अतिक्रमण के नाम पर मोटर साइकिल कारो को जब्त कर खानापूर्ति पर लगा हुआ है जबकि सबसे ब्यस्त मार्गो पर बाहरी लोगों का कब्जा है देखना यह है की कोलगवा पुलिस य फिर यातायात पुलिस अतिक्रमण कारियों पर कब कार्रवाई करते हैं।

आईपीएस हर्षवर्धन सिंह के सड़क दुर्घटना में निधन पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

हनुमना में एसडीएम पद पर पदस्थ रहे तथा वर्तमान में देवसर एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह के आईपीएस पुत्र हर्षवर्धन सिंह का कर्नाटक के हसन में सड़क दुर्घटना में जहां कल दर्दनाकमृत्यु हो गई वही उनके इस सड़क दुर्घटना में मौत पर शुभचिंतकों को इष्ट मित्रों के साथ ही राजनीतिक सामाजिक वह प्रशासनिक जगत से जुड़ी तमाम हस्तियों ने श्रद्धांजलि देते हुए मृतात्मा की शांति तथा परिजनों को संकट की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उल्लेखनीय है कि 2023 बैच के आईपीएस प्रोबेशनरी अधिकारी थे हर्षवर्धन सिंह। श्री सिंह अपने पिता अखिलेश सिंह के हनुमान में एसडीएम रहते हुए आईपीएस बने थे जिनका अभिनंदन समारोह भी डॉक्टर अंबेडकर मांगलिक भवन हनुमना में आयोजित किया गया था। वह हाल ही में मैसूर स्थित कर्नाटक पुलिस अकादमी (केपीए) में अपना चार सप्ताह का प्रशिक्षण

पूरा किया था और वह हसन में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में पहली नियुक्ति लेने के लिए जा ही रहे थे कि रास्ते में ही सड़क दुर्घटना में पूरी तरह घायल होने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई उनके निधन पर विंध्य में जनसंघ के संस्थापक तथा लोकतंत्र सेनानी प्रख्यात नाड़ी विशेषज्ञ सरयू प्रसाद वैद्य, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील शुक्ला , वरिष्ठ भाजपा नेता शिवदत्त मिश्र तथा ज्योति गुप्ता,नगर परिषद अध्यक्ष सोनू आशुतोष गुप्ता मुख्य नगर पालिका अधिकारी अरुण कुमार त्यागी सुमित गुप्ता रितेश केसरी लवकुश गुप्ता अवकाश प्राप्त शिक्षक विजयपाल सिंह बीएमओ डॉक्टर नागेंद्र मिश्रा पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता संपत्ति दासगुप्ता, उमेश मिश्रा राजेश शुक्ला सरोज गुप्ता विद्या शुक्ला श्याम बाबू गुप्ता टिंकल केसरी आनंद मिश्रा आदि ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमारे बीच से समाज व राष्ट्र को नई दिशा देने के लिए जैसे ही हर्षवर्धन सिंह आईपीएस जैसे पद पर चयनित होकर अपनी कर्तव्य निष्ठा का समर्पण मां भारती के चरणों में करते हुए राष्ट्र सेवा के पथ पर कदम रखकर संकल्प लेने ही जा रहे थे कि वे कल के गाल में समा गए उनका निधन समूचे प्रशासनिक जगत के लिए एक अपूर्णिय छति है।

थाना रामनगर पुलिस द्वारा दो अलग अलग स्थानो में जुआरियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई

जुआ रेड कर कुल 7,670 रूपये जप्त कर 11

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय कोतमा के द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार एवं अवैध गतिविधियों पर पूर्णत अंकुश लगाने को आदेशित किया गया था। जिसके तारतम्य में दिनांक 01-02.12.24 की दरम्यानी रात मुखबिर की सूचना मिली कि ग्राम हर्री में पूरन ताल पनिका के घर के बरामदा में कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे है। सूचना तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु मुखबिर के बताए स्थान में जाने पर कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों में रूपये पैसे से हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते मिले जिन्हें घेराबन्दी कर पकड़ा नाम पता पूछने पर अपना नाम 01- रामदुलारे पनिका पिता रामरतन पनिका उम्र 45 वर्ष वर्ष निवासी वार्ड क0 18 ग्राम हर्री 02- बीरन प्रसाद केवट पिता जवाहर प्रसाद केवट उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड क0 01 ग्राम पिपरहा, 03. धनश्याम केक्ट पिता श्री पूरन केवट उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड क0 06 ग्राम रेउंदा, 04- कामता प्रसाद केवट पिता श्री रामलाल केवट उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड क0 05 ग्राम रेउंदा, 05. घनश्याम उर्फ लाता जोगी पिता बालकनाथ जोगी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम फुलकोना 06- होरीतात केवट पिता श्री बिहारीलाल केवट उम्र 47 वर्ष निवासी वार्ड क0 05 ग्राम रेउंदा थाना रामनगर जिला अनूपपुर (म0प्र0) के कुल छः जुआरी मिले जिनके कब्जे एवं जुआ फड़ से ताश के 52 पत्ते पत्ते और नगदी 4120 /- रूपये मिले। जिसे जुआँ एक्ट के तहत विधिवत जप्त कर उक्त जुआरियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई ।

इसी प्रकार दिनांक 01.12.24 की मुखबिर सूचना मिली कि ग्राम हर्री में देवी तालाब के पास स्ट्रीट लाईट के नीचे कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे है। सूचना तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु मुखबिर के बताए स्थान में जाने पर कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों में रूपये पैसे से हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते मिले जिन्हें घेराबन्दी कर पकड़ा नाम पता पूछने पर अपना नाम 01- सुरेंद्र अगरिया पिता श्री आनंदराम अगरिया उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड क0 01 ग्राम पिपरहा थाना रामनगर, 02-देवप्रसाद उर्फ दद्दू केवट पिता श्री रामलाल केवट उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड क्र0 07 ग्राम रेउंदा थाना रामनगर, 03- गोपाल उर्फ ब्रजेश केवट पिता स्व0 श्री हुबलाल केवट उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड क्र0 16 ग्राम हर्री 04- पूरनलाल पनिका पिता श्री रामखेलावन पनिका उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम वार्ड क0 05. हर्री 05 विद्याशंकर यादव पिता दूधनाथ यादव उम्र 39 वर्ष निवासी वार्ड कं0 15 शांतिनगर राजनगर थाना रामनगर जिला अनूपपुर (म0प्र0) के कुल पांच जुआरी मिले जिनके कब्जे एवं जुआ फड़ से ताश के 52 पत्ते और नगदी 3550 /- रूपये मिले। जिसे जुओं एक्ट के तहत विधिवत जप्त कर उक्त जुआरियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। इस प्रकार दिनांक 01.12.24 की दरम्यानी रात मुखबिर सूचना पर दो अलग-अलग स्थानों में जुआ रेड कर 11 जुआरियों के विरूद्ध जुआ एक्ट तहत कार्यवाही कर ताश पत्ते व कुल नगदी 7,670/- रूपये जप्त किए गए उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी रामनगर निरीक्षक अमर वर्मा के नेतृत्व में प्रआर0 84 सनत द्विवेदी, प्रआर0 72 श्रीश्याम शुक्ला, प्रआर0 156 विनोद मिंज, आर0 389 मनोज उपाध्याय, आर0 529 अनुराग सिंह, आर0 464 विनोद मरावी आर0 चा0 264 अनिल मरावी द्वारा कार्यवाही की गई।

वन परिक्षेत्र विचरण कर रहा टाइगर

ग्रामीणों में दहशत, देर रात भैंस का किया शिकार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, जिले के अमरकंटक वन परिक्षेत्र एवं थाना अंतर्गत दोनिया, भेजरी इलाके में हिंसक वन्यप्राणी टाइगर विगत रात से निरंतर विचरण कर रहा है, जिसके द्वारा एक पालतू भैंस का शिकार किया गया, सोमवार की सुबह यह टाइगर मेढाखार के गांव मे लेन्टाना की झाड़ियो में विश्राम कर रहा है वनविभाग, पुलिस विभाग के द्वारा निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को नजदीक नहीं जाने तथा रात्रि समय सावधानी बरतने की सलाह दे रहे है। ज्ञातव्य है कि एक टाइगर रविवार की रात दोनिया एवं भेजरी गांव के बीच गांव के मार्ग को पार करते चार पहिया वाहन चालक को दिखा, जिसका वीडियो बनाने बाद वनविभाग को सूचित किया गया, सूचना पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरकंटक वीरेंद्र श्रीवास्तव वन कर्मचारियों के साथ रात भर गस्त करते हुए टाइगर की पहचान तथा उसके लोकेशन की जानकारी लेते रहे हैं। टाइगर झाड़ियो के

बीच से विचरण करता हुआ मेढाखार गांव में पहुंचकर गांव के ईश्वर सिंह नायक पिता खुमान नायक के बाडीं में चर रही एक 3 वर्ष उम्र की भैंस को पर हमला कर मारने बाद मांस खाते हुए पास पर ही लेन्टना की झाड़ियां में घुसकर विश्राम कर रहा है। सोमवार को पूरे दिन वनविभाग एवं थाना अमरकंटक की टीम द्वारा निगरानी की जा रही है, टाइगर के आने की जानकारी पर आसपास के ग्रामों में ग्रामीण भयभीत है, वही टाइगर को देखने के लिए भारी मात्रा में ग्रामीणों के पहुंचने पर उन्हें स्थल से दूर रखते हुए निरंतर निगरानी जा रही है।

खजराना पुलिस ने ग्राहक बन कर राजस्थान झालावाड़ के 3 ड्रग तस्कर को कर लिया गिरफ्तार

इंदौर- गिरफ्तार झालावाड़ के आरोपियों से मादक पदार्थ 50 ग्राम एमडी ड्रग्स कीमती 05 लाख रुपए विधिवत जप्त, आरोपी शहर के अलग अलग स्थानों पर ड्रग सप्लाय करते थे राजस्थान के झालावाड़ से जुड़े है एम डी ड्रग के उक्त तस्कर जो पुर्व में गिरफ्तार आरोपियों को भी करते थे ड्रग सप्लाई आरोपीगण*इंदौर शहर में फैलाना चाहते थे ड्रग का कारोबार जिसे खजराना पुलिस ने घटना से पहले धर दबोचा, इंदौर शहर मे मादक पदार्थ एंव अपराधियों पर नियत्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त झोन 02 अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त झोन 02 अमरेन्द्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त खजराना कुंदन मण्डलोई द्वारा दिये गये है इसी तारतम्य में उक्त निर्देशों के अनुक्रम में खजराना थाना प्रभारी मनोज सिंह सेधव द्वारा पुलिस टीम गठित कर लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय ङ्घविक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन करने के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि शाहिद पेट्रोल पंप के पीछे सर्विस रोड पर तीन संदिग्ध व्यक्ति बैठे हैं मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी के निर्देशन में टीम गठित कर बताएं स्थान पर पहुंचकर तीनों व्यक्तियो को घेराबंदी करते पकड़ा गया तीनों पकड़े गए संदिग्धों की तलाशी लेने के

दौरान आरोपी लक्की , आरोपी रेहान उर्फ बाबर, आरोपी शहजान उर्फ बिट्टू तीनों आरोपी के कब्जे से कुल लगभग 50 ग्राम एम डी ड्रग्स मिली आरोपी का नाम व पूछताछ पर अपना नाम *(1)लक्की सुमन पिता बजरंग सुमन उम्र 23 निवासी रामद्वारा की गली मंगलपुरा झालावाड़ (2) रेहान उर्फ अली उर्फ बाबर पिता खादिम अली उम्र 19 निवासी लाइन पुलिस टांग चाणक्य कोचिंग के सामने झालावाड़ (3) सेज़ान उर्फ बिट्टू पिता रईस खान उम्र 23 निवासी मेला ग्राउंड नयापुरा बावड़ी के पास बारा राजस्थान का होना बताया।आरोपी को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ का विक्रय के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव, उप निरीक्षक घनश्याम मिश्रा, उपनिरी.अजय सिंह , प्रधानआरक्षक ब्रजेश , प्रधान आरक्षक विजय , प्रधान आरक्षक पंकज सांवरिया आर. टिंकू सिंह आर .राजेंद्र, आर प्रदीप इत्यादि खजराना पुलिस की सराहनीय भूमिका रही।

स्वास्थ्य-अधिकारी कर्मचारी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर 11 दिसंबर से करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, स्वास्थ्य-अधिकारी कर्मचारी महासंघ के बैनरतले शाजापुर जिला अस्पताल के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का मन बना लिया है। महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रशांत वैद्य ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारी लगातार अपनी पंद्रह सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन शासन के द्वारा मांगों के निराकरण को लेकर कोई कार्रवाई नही की गई है। सरकार की इसी उदासीन कार्यशैली के विरोध एवं मांगों के समर्थन में प्रदेश स्तरीय आह्वन पर आगामी 11 दिसंबर से जिलेभर के स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करेंगे। कर्मचारियों की हड़ताल के कारण जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी और मरीजों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। वैद्य ने बताया कि महासंघ की सरकार से मांग है कि संविदा स्वास्थ्य संवर्ग

की वेतन विसंगति दूर की जाए, नर्सेस पर हड़ताल अवधि में की गई कार्रवाई को निरस्त किया जाए, एएनएमए एमपी डबल्यू का हड़ताल अवधि 23 दिवस का वेतन भुगतान किया जाए, ग्वालियर, रीवा मेडिकल कॉलेज की तरह अन्य सभी मेडिकल कॉलेज में भी नर्सिंग संवर्ग को 3 एवं 4 वेतनवृद्धि दी जाए, जब तक प्रमोशन नही होते तब तक वरियता के आधार पर प्रभार दिया जाए, 70, 80, 90 और तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि आदेश को निरस्त किया जाए, सातवें वेतनमान का लाभ 2016 से दिया जाए, चिकित्सकों की भांति अन्य कर्मचारियों को भी रात्रिकालीन भत्ता दिया जाए, संचालनालय स्तर पर सहायक संचालक नर्सिंग के पद पर नर्सिंग कैडर को ही वरिष्ठता के आधार पर पदस्थ किया जाए, स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से कार्यरत आउट सोर्स, रोगी कल्याण समिति अंतर्गत कर्मचारियों को स्थाई वेतन बढ़ाने हेतु ठोस नीति बनाई जाए, नर्सिंग संवर्ग, फार्मासिस्ट, रेडियोग्राफर, बायोकेमिस्ट, लेबटेक्नीशियन, नेत्र सहायक, ड्रेसर, सभी वर्ग के टेक्नीशियन, सभी संवर्गों की वेतन विसंगति दूर की जाए और पदनाम परिवर्तन किए जाए।

लोक अदालत में आपसी समझौतों के माध्यम से निराकृत हुए प्रकरण में दोनों परिवारों के बिच में सामंजस्य का वातावरण बनता है

बुरहानपुर नि.प्र.- वर्ष 2024 की अंतिम लोक अदालत का आयोजन दिनांक 14 दिसम्बर 2024 वार शनिवार को कुटुंब न्यायालय / जिला न्यायालय में किया गया है कुटुंब न्यायालय में लम्बित सभी प्रकार के मुकदमे जो भरन पोषण बाबत धारा 144 (125 द प्र. स.) एवं 146 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता धारा 144 (3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता भरण पोषण राशी की वसूली बाबत ,धारा 9 हिन्दू विवाह अधिनियम , मुस्लिम वैवाहिक संबंधो की पुनर्स्थापना तथा अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण राजी नामा के आधार पर कराकर लाभ उठाये कुटुंब न्यायलय के प्रधान न्यायाधीश शेख सलीम ने पक्षकारो से कहा की आप लोग लोक अदालत में आपसी समझौतों के माध्यम से निराकृत हुए प्रकरण में दोनों परिवारों के बिच में सामंजस्य का वातावरण बनाये क्योकि पक्षकारो को बार बार न्यायालय आना नही पड़ता है अतः पक्षकरो से अपेक्षा है की उपस्थित होकर लोक अदालत एवं सुअवसर का लाभ उठाकर समधुर सम्बन्ध बनाये , परिवार कुटुंब में खुशहाली लायेकुटुंब न्यायालय के नियुक्त परामर्श दाता महेंद्र जैन ने कहा की आपसी समझौतों के माध्यम से निराकृत हुये प्रकरणों में पक्षकारो को आर्थिक परेशानियों, समय की बचत एवं मानसिक त्रास से छुटकारा मिलता है

युवा कलाकार ने लिया लाइव शो में हिस्सा

उज्जैन

खाचरोद नगर की उभरती हुई संगीत साधिका प्रियांशी नायमा (धाकड़) पिता रणछोड़ लाल नायमा को म प्र दुरदर्शन भोपाल ने आमंत्रित किया जहाँ से 02/12/2024 को सुबह 8.30 से 9.00 बजे तक Live प्रसारण एंकर पुरवा जी राय एवं तबले की संगत गुरू डॉ परमानंद गंधर्व द्वारा की गई प्रियांशी ने ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन, छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाईके

प्यारो लागे रे म्हारो मालवों देस आदि की सुंदर प्रतुतियाँ दी । वर्तमान में प्रियांशी इंपीरियल संगीत अकादमी खाचरोद में डॉ गंधर्व जी के सानिध्य में संगीत की शिक्षा प्राप्त कर रहीं हैं । नगर की बिटिया के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए गुरु डॉ परमानंद जी गंधर्व, माता पिता, शिक्षकों एवं परिवार के सभी सदस्यों ने शुभकामनाएं प्रदान किया ।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली एवं कार्यशाला आयोजित की गई

खरगोन

शासकीय महाविद्यालय कसरावद के रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर नगर में जागरूकता रैली निकाली गई एवं शासकीय महाविद्यालय में एड्स जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गई ।कार्यशाला में शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के आईसीटीसी काउंसलर हिमांशु राठौर द्वारा एड्स के लक्षण ,कारण , निवारण व उपचार पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्य केंद्र के अमर राठौर द्वारा टी.बी .के बारे में जानकारी प्रेषित की गई । कार्यशाला के अंतिम कड़ी में उपस्थित विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी के माध्यम से

जानकारी को साझा किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर आर ठाकुर ने विद्यार्थियों को स्वयं सजग रहने एवं अपने समाज में भी जागरूकता फैलाने हेतु संदेश दिया। समग्र कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ उषा यादव एवं पुरुष इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ एस आर सोलंकी के मार्गदर्शन व नेतृत्व में आयोजित किया गया कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से श्रीमती उमा यादव एवं महाविद्यालय के डॉक्टर रश्मि चौहान श्री एस भाटिया बीएस बर्डे एवं कार्यालय स्टाफ भी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर उषा यादव ने किया एवं आभार डॉक्टर डॉ राजपूत ने माना।

शासन चला रही अभियान, फिर भी किसान परेशान तो क्या नेता है अंजान ?

उज्जैन

मामला खाचरोद तहसील में नामांतरण का शासन के द्वारा लंबित ओर अविवादित नामांतरण सीमांकन जैसे प्रकरणों को जल्दी से हल करने के लिए बार बार अभियान चला रहा है, पूर्व में भी इस प्रकार का एक अभियान शासन द्वारा चलाया गया था जिसमें खाचरोद तहसील में निराकरण तो कम हुए थे और कई सारे मामलों को निरस्त कर दिया गया था वर्तमान में भी 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों के निदान के लिए अभियान चल रहा है, इसके पीछे शासन की मंशा है कि राजस्व संबंधित मामले का निराकरण हो और इसके लिए जनता को परेशान भी नहीं होना पड़े किंतु इसके विपरीत प्रशासनिक अधिकारी जनता को परेशान करने में ही लगे हुए पिछली बार के अभियान में भी जो सितंबर और अक्टूबर में राजस्व के मामलों के निराकरण को लेकर चला था जिसमें लगभग 2000 प्रकरणों का निराकरण हुआ था उन निराकरण में निराकरण कम और प्रकरणों को निरस्त ज्यादा किया गया था और निरस्त करने के पीछे अधिकांश प्रकरण में एक जैसे कारण बताए गए थे जबकि वे ऐसे कारण थे जो यदि एक बार किस को तारीख देकर बुलाया जाता तो आसानी से उनका निराकरण हो सकता था वर्तमान में भी कई किसान तहसील में प्रतिदिन नामांकरण बटवारा सीमांकन के लिए चक्कर लगा रहे हैं एक किसान ने तो बताया कि उसने नामांतरण के लिए दो बार लोक सेवा में आवेदन दिया और दोनों ही बार-बार आवेदन निराकरण उसका नहीं हुआ और तो और तहसीलदार के ऑफिस में उससे संबंधित फाइल तक नहीं मिली और वर्तमान में किस के द्वारा तीसरी बार फिर नामांतरण के लिए लोक सेवा के माध्यम से आवेदन कर रखा है, वही चापाखेड़ा में कुछ महीना पहले ही हुआ फर्जी रजिस्ट्री कांड जिसमें वास्तविक किसान आज भी अपने नाम से जमीन करवाने के लिए दर-दर भटक रहा है लेकिन उसकी सुनने वाला कोई नहीं है जबकि सभी को पता है कि वास्तव में जमीन इस किसान की है ! खाचरोद तहसील में इस प्रकार का मामला चल रहा है एक और जहां शासन अभियान चला कर मामलों का निराकरण करना चाहती है वहीं किसानों को चक्कर लगाकर अधिकारी और कर्मचारी परेशान कर रहे हैं क्या इन सारी बातों से जनप्रतिनिधि और नेता अनजान है और यदि अनजान नहीं है तो फिर इन मामलों में एक्शन क्यों नहीं लेते यह समझ से परे ! वर्तमान में जो अभियान चल रहा है इसमें प्रतिदिन गांव में शिविर लगाकर कार्य तो किया जा रहा किंतु 15 दिनों के बाद अभी तक कितना काम हुआ है इसकी जानकारी देने वाला कोई नहीं नहीं, इसको लेकर तहसीलदार और एसडीएम दोनों को ही फोन लगाया किंतु दोनों की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया !

टीएल बैठक में लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम पॉश एक्ट की जानकारी दी गई

विदिशा

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम पॉश एक्ट की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा सभी विभागों को पॉश एक्ट के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भरत सिंह राजपूत ने बताया कि सभी कार्यालयों में अधिनियम के अंतर्गत आंतरिक समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। सभी शासकीय, अशासकीय कार्य स्थलों पर समिति का गठन किया जाकर कार्यालय परिसर में समिति का बोर्ड लगाना भी अनिवार्य है, साथ ही सी-बाक्स-पोर्टल की जानकारी

भी सभी विभाग प्रमुखों को दी गई है।

जैन समाज द्वारा लगाए ऐतिहासिक शिविर में 900 से ज्यादा मरीजों को मिला फायदा

झाबुआ

4 तारीख को बस द्वारा गम्भीर मरीजों को बड़ौदा भेजा जाएगा

थांदला। जीवदया के भाव को मन में लिए जैन समाज हमेशा नि:स्वार्थ भाव से समाजसेवा के कार्य करता आ रहा है। इसी तारतम्य में गुजरात के प्रसिद्ध पारुल आयुर्वेद हॉस्पिटल के सहयोग से रविवार को स्थानीय महावीर भवन पर विशाल सर्व रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 900 से ज्यादा मरीजों का पंजीयन होकर विभिन्न बीमारियों के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क परामर्श देते हुए निदान किया गया व आवश्यक औषधि भी नि:शुल्क प्रदान की गई। जानकारी देते हुए शिविर संयोजक संघ अध्यक्ष भरत भंसाली, सचिव प्रदीप गादिया, हितेश शाहजी, रवि लोढ़ा ने बताया कि शिविर में ग्रामीणों के अलावा दूर दराज से भी अनेक रोगी उपचार हेतु आये जिनका आवश्यक परीक्षण कर नि:शुल्क दवाई प्रदान करवाई गई वही करीब 70 से 75 मरीजों को गम्भीर बीमारी के लिए चिन्हित किया गया जिन्हें उपचार हेतु आगामी 4 तारीख को बड़ौदा भेजा जाएगा जहाँ उनका नि:शुल्क उपचार किया जाएगा। इस दौरान मरीज का रहना खाना

आदि का भी समस्त व्यय संस्था द्वारा ही वहन किया जाएगा यहाँ तक कि इन सभी मरीजों को लेजाने व यहाँ वापस छोड़ने की व्यवस्था भी संस्था द्वारा की जाएगी। आगे की जानकारी देते हुए संघ प्रवक्ता पवन नाहर व मण्डल कोषाध्यक्ष चर्चिल गंग ने बताया कि शिविर में मरीजों के आशातीत ज्यादा आने से शिविर का समय बढ़ाते हुए शाम 5 बजे तक चलाया गया जिससे ग्रामीण अंचल के सभी मरीजों को लाभ मिला व उन्हें उपयोगी दवाई भी फ्री में उपलब्ध करवाई गई। शिविर की सफलता को देखते हुए आगामी दिनों में एक बार फिर इसी तरह का व्यापक शिविर लगाया जाएगा। शिविर में आँख, चिकन गुणिया से शरीर दर्द, पाइल्स, महिला सम्बन्धी बीमारी, बच्चों की बीमारी, गठान, शुगर, ब्लड प्रेशर, मानसिक बीमारी आदि के अनेक मरीजों को लाभ मिला। शिविर में पारुल यूनिवर्सिटी, फेकल्टी ऑफ आयुर्वेदा बड़ौदा के संयोजक डॉ, दर्पण पांचाल, दर्शन भाई, डॉ जैमिनी, डॉ मौसम, डॉ रिदम, डॉ दिव्या, डॉ राहुल राठौड़, डॉ विकास डॉ सुयोग, डॉ विजय, डॉ निजिल, डॉ सोभा, जय परमार, प्रीति बेन, डॉ विनय, डॉ हर्ष, डॉ काजल, डॉ रोशनी, भावेश भाई व राजू भाई ने अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान की वही शिविर के सफल संचालन में उपरोक्त संघ पदाधिकारियों के अलावा कोषाध्यक्ष संतोष चपलोद, मंगलेश श्रीश्रीमाल, विनोद श्रीमाल, अखिलेश श्रीश्रीमाल आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की समय सीमा प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा

खरगोन

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में 02 दिसंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण दर्रे, श्रीमती हेमलता सोलंकी, एसडीएम श्री बीएस कलेश, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मंडलोई एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने, नाम हटाने एवं नाम संशोधित करने संबंधी प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करें। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नये मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में प्राथमिकता से जोड़े जाएं। राजस्व महा अभियान-3.0 की समीक्षा के दौरान आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज पुराने लंबित प्रकरणों का तेजी से निराकरण करने के निर्देश

दिए गए। अभिलेख दुरूस्ती एवं फार्मर आईडी तैयार करने का कार्य फास्ट्रेक पर तैयार करने को कहा गया। परम्परागत रास्तों के चिन्हांकन के प्रकरणों का निराकरण कर उन्हें खत्म करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कहा गया कि जिले में इन दिनों ठंड पड़ रही है और रात्री के समय बस स्टेण्ड या सराय आदि में कोई भी व्यक्ति खुले में सोया हुआ न मिले इसका ध्यान रखा जाए। सभी तहसीलदार एवं स्थानीय निकाय के प्रभारी अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि ऐसे व्यक्ति के मिलने पर उसे रैन बसेरा या सुरक्षित स्थान पर रखा जाए। राजस्व अधिकारियों को रात्रि में बस स्टेण्ड एवं अन्य क्षेत्रों का भ्रमण करने के निर्देश दिए गए और कहा गया कि जहां आवश्यक हो वहां पर अलाव की व्यवस्था भी की जाए। इस कार्य में सामाजिक संगठनों की भी मदद लेने कहा गया। बैठक में रबी फसलों के लिए उर्वरक वितरण की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि खरगोन जिले के लिए 02 हजार मेट्रिक टन यूरिया लेकर मालगाड़ी के 03 रेक 03 दिसंबर को आ रहे हैं। वर्तमान में जिले में 2480 मेट्रिक टन एनपीके उर्वरक उपलब्ध है। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि सहकारी समितियों के जिन केन्द्रों पर 05 टन से कम उर्वरक उपलब्ध है, वहां पर पहले उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। डबल लॉक केन्द्र एवं सहकारी समितियों से उर्वरक का व्यवस्थित वितरण किया जाए, जिससे किसानों का सुगमता से उर्वरक मिल सके और उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 982 किसानों से 09 करोड़ 48 लाख रुपये के 1938 मेट्रिक टन सोयाबीन की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को लगभग 05 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान कर दिया गया है। बैठक में बताया गया कि आगामी 08 दिसंबर को खरगोन जिले में सघन पल्स पोलिया टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। कलेक्टर श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी पोलिया निरोधक दवा पिलाने के लिए व्यवस्था की जाए। जिससे पड़ोस के जिलों व राज्य से आने वाले बच्चों को 08 दिसंबर को दवा पिलाई जा सके। जो बच्चें 08 दिसंबर को किसी कारण से दवा पीने से छूट जाएं, उन्हें 09 एवं 10 दिसंबर को घर-घर जाकर दवा पिलाने का कार्य किया जाए।

हम होंगे कामयाब अभियान के अंतर्गत निकाली गई महिला सुरक्षा रैली

इन्दौर

राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार इंदौर में हम होंगे कामयाब पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी के तहत इंदौर में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की विशेष उपस्थिति में जेण्डर आधारित हिंसा उन्मूलन जागरूकता संबंधी महिला सुरक्षा रैली निकाली गई। यह रैली नेहरू स्टेडियम से रवाना होकर पुन: वहीं सम्पन्न हुई। रैली का शुभारंभ कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने झंडी दिखाकर किया। यह रैली जिला प्रशासन, पुलिस और महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में निकाली गई। रैली में महिला एवं बालिकाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, ए.सी.पी. श्रीमती सीमा अलावा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री रामनिवास बुधौलिया, सहायक संचालक श्री जय श्रीवास्तव एवं श्री जय परिहार, प्रशासक वन स्टॉप सेंटर इंदौर एवं महू, समस्त परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर, आगंनवाडी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त रैली नेहरु स्टेडियम से प्रारंभ होकर जी.पी.ओ., एम.वाय. अस्पताल, शिवाजी वाटिका से होकर नेहरु स्टेडियम में सम्पन्न हुई।

दिल्ली एयरपोर्ट पर देरी से चल रही उड़ानों के यात्रियों के लिए नई राहत

नेशनल डेस्क. दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अब उन यात्रियों के लिए एक नई सुविधा शुरू की गई है, जिनकी उड़ानें तीन घंटे या उससे अधिक समय तक देरी से चल रही होती हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने विशेष बाड़े बनाए हैं, ताकि यात्रियों को जल्दी उतरने, सुरक्षा जांच से गुजरने और फिर से बोर्डिंग क्षेत्र में प्रवेश करने में आसानी हो। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य सर्दियों में उड़ान शेड्यूल में हो रही बाधाओं और यात्रियों की असुविधा को कम करना है, जब घने कोहरे के कारण उड़ानें अक्सर देरी से चलती हैं।

नई व्यवस्था की शुरुआत

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने बताया कि इस नई पहल के तहत तीनों टर्मिनल पर विशेष बाड़े बनाए गए हैं। इन बाड़ों का उद्देश्य उन यात्रियों को सहायता प्रदान करना है, जिनकी उड़ानें लंबे समय तक देरी से चल रही हैं। पहले, जब उड़ानें देर से चलती थीं, तो यात्रियों को मुख्य प्रवेश द्वार से फिर से टर्मिनल में प्रवेश करना पड़ता था। इस प्रक्रिया में उन्हें सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ता था, जो आमतौर पर दो घंटे या उससे अधिक समय लेती थी। अब, नई व्यवस्था के तहत, जब उड़ान में देरी होती है, तो यात्री सीधे इन विशेष बाड़ों में जा सकते हैं। इन बाड़ों में सुरक्षा जांच का इंतजाम किया गया है, जिससे यात्रियों को बोर्डिंग क्षेत्र में फिर से प्रवेश करने से पहले केवल एक साधारण और तेज सुरक्षा जांच से गुजरना होता है। इससे उनका समय काफी बचता है और उन्हें ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

नई सुरक्षा जांच प्रक्रिया

DIAL के प्रवक्ता ने बताया, इन बाड़ों में हम सुरक्षा जांच के लिए विशेष स्क्रीनिंग मशीनें लगा रहे हैं। इनका उद्देश्य सिर्फ उन्हीं यात्रियों के लिए सुरक्षा जांच करना है, जिनकी उड़ानें देरी से चल रही हैं। पहले, इन यात्रियों को हवाई अड्डे के मुख्य प्रवेश द्वार पर ले जाया जाता था, जहां उन्हें अन्य यात्रियों के साथ लंबी सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ता था। अब यह पूरी प्रक्रिया केवल कुछ मिनटों में पूरी हो जाएगी। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को उतना समय नहीं लगेगा जितना पहले लगता था। पहले उन्हें दो घंटे या उससे ज्यादा समय तक सुरक्षा जांच से गुजरने में लग जाते थे, लेकिन अब यह समय घटकर केवल कुछ ही मिनटों में रह जाएगा।

उड़ान में देरी के दौरान यात्रा का अनुभव DIAL के CEO, विदेह कुमार जयपुरियार ने इस पहल को लेकर कहा, इस कदम से यात्रियों को एक बेहतर अनुभव मिलेगा। खासकर सर्दियों में, जब घने कोहरे के कारण उड़ानें देरी से चलती हैं, तब यह नई व्यवस्था यात्रियों के लिए राहत का काम करेगी। अब उन्हें उतना समय नहीं लगेगा जितना पहले लगता था, और वे जल्दी से एयरपोर्ट में वापस आकर अपनी उड़ान पकड़ सकेंगे। उन्होंने आगे कहा, यात्रियों को हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार पर ले जाने के बजाय, हम उन्हें सीधे रिवर्स एंट्री पॉइंट पर लाएंगे। इससे उतरने और बोर्डिंग में लगने वाला समय पहले के मुकाबले बहुत कम हो जाएगा।

यह कदम क्यों उठाया गया?

यह पहल नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के नए दिशा-निर्देशों के तहत की गई है, जो अप्रैल में जारी किए गए थे। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, जब उड़ानें देरी से चलती हैं और यात्री पहले ही बोर्डिंग कर चुके होते हैं, तो उन्हें एयरपोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार से फिर से प्रवेश नहीं करना पड़ता। इसके बजाय, उन्हें इन विशेष बाड़ों से गुजरते हुए जल्दी से सुरक्षा जांच करनी होती है, ताकि वह अपनी उड़ान के लिए समय पर बोर्डिंग कर सकें।

यात्रियों को कैसे मिलेगा फायदा?

यह नई व्यवस्था खासकर सर्दियों में मददगार साबित होगी, जब घने कोहरे के कारण उड़ानों की स्थिति खराब रहती है। इस प्रक्रिया से यात्रियों को कम समय में टर्मिनल बिल्डिंग में दोबारा प्रवेश मिल जाएगा, जिससे उनका समय बर्बाद नहीं होगा और वे अपनी उड़ान के लिए जल्दी से तैयार हो सकेंगे। पहले जहां यात्रियों को मुख्य प्रवेश द्वार से फिर से प्रवेश करके लंबी सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ता था, वहीं अब यह पूरी प्रक्रिया जल्दी और सुगम तरीके से पूरी होगी।

टूडो सरकार ने शुरू किया चेतावनी अभियान

कनाडा में शरण लेना नहीं आसान सख्त नियम और शर्तें मानना जरूरी

टोरंटो- कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार ने चेतावनी जारी की है कि कनाडा में शरण लेना आसान नहीं और इसके लिए सख्त नियम और शर्तें मानना जरूरी है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार, जो इस समय लोकप्रिय नहीं है, ने शरणार्थियों और अस्थायी निवासियों के लिए सख्त कदम उठाए हैं। सरकार चाहती है कि जिन लोगों के वीजा की अवधि समाप्त हो गई है, वे स्वेच्छा से देश छोड़ दें। आव्रजन मंत्री ने चेतावनी दी है कि अगर वे ऐसा नहीं करते, तो उन्हें निर्वासित (डिपोर्ट) किया जाएगा।

शुरू कर रहा वैश्विक ऑनलाइन प्रचार अभियान

कनाडा, जो कभी शरणार्थियों और प्रवासियों का सबसे स्वागत करने वाला देश माना जाता था, अब एक वैश्विक ऑनलाइन प्रचार अभियान शुरू कर रहा है। इस अभियान में शरण मांगने वालों को चेतावनी दी जाएगी कि कनाडा में शरण लेना आसान नहीं है।

यह अभियान कनाडाई डॉलर 2.5 लाख (लगभग 1.78 लाख अमेरिकी डॉलर) के बजट के साथ चलाया जाएगा और इसमें 11 भाषाओं में विज्ञापन होंगे, जिनमें उर्दू, हिंदी, तमिल, स्पेनिश और यूक्रेनी शामिल हैं। यह अभियान मार्च तक चलेगा।

सख्त नियम और शर्तें

अभियान का उद्देश्य शरणार्थी दावों को नियंत्रित करना और लोगों को यह बताना है कि कनाडा में शरण मांगने के लिए सख्त नियम और शर्तें हैं। एक विज्ञापन में लिखा है कि कनाडा में शरण लेना आसान नहीं है। पात्रता के लिए कड़े दिशा-निर्देश हैं। जीवन बदलने वाले इस फैसले से पहले सभी जानकारी लें। -कनाडा की शरण प्रणाली पहले से ही 2.6 लाख मामलों के बैकलॉग से जूझ रही है।

- बढ़ते वैश्विक विस्थापन के कारण शरण मांगने वालों की संख्या बढ़ रही है।
- सरकार को इस बात पर ज्यादा नियंत्रण नहीं है कि कौन शरण के लिए आवेदन कर सकता है।

सरकार का संदेश

अभियान के तहत, जब कोई व्यक्ति कनाडा में शरण कैसे मांगें या शरणार्थी कनाडा जैसे कीवर्ड खोजेगा, तो उसे कनाडा की शरण प्रणाली- तथ्य नामक प्रायोजित सामग्री दिखाई जाएगी। कनाडा के लिए, यह अभियान शरणार्थियों और प्रवासियों को सटीक जानकारी देने और प्रवासियों की संख्या नियंत्रित करने का प्रयास है। शरणार्थियों और प्रवासियों को कनाडा में महंगे आवास और अन्य समस्याओं का कारण माना जा रहा है, हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति को समझने का सरल दृष्टिकोण है। जनमत सर्वेक्षणों में दिख रहा है कि कनाडाई नागरिकों का बड़ा हिस्सा अब मानता है कि देश में बहुत अधिक प्रवासियों को आने दिया जा रहा है।

बाइडेन ने विदाई से पहले भारत के साथ जबरदस्त रक्षा डील को दी मंजूरी

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने सोमवार को कांग्रेस (अमेरिका की संसद) को अधिसूचित किया कि उसने 'एमएच-60आर मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर इक्यूपमेंट% और संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी देने का फैसला किया है जिसकी अनुमानित लागत 1.17 अरब अमेरीकी डॉलर है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने 'कांग्रेस% को एक अधिसूचना में बताया कि उपकरणों की बिक्री की प्रस्तावित योजना, भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं का उन्नयन कर वर्तमान और भविष्य के खतरों को रोकने की क्षमता में सुधार करेगी। बाइडेन प्रशासन ने भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री की मंजूरी अपने चार साल के कार्यकाल के पूरा होने से कुछ सप्ताह पहले दी है। पांच नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। अधिसूचना के अनुसार, भारत ने 30 'मल्टीफंक्शनल इन्फॉर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम-जॉइंट टेक्टिकल रेडियो सिस्टम्स% (एमआईडीएस-जेटीआरएस) खरीदने का प्रस्ताव रखा है।

इस बिक्री में मुख्य रूप से अनुबंध 'लॉकहीड मार्टिन रोटरी और मिशन सिस्टम% के साथ होगा। इसमें कहा गया है कि इसके कार्यान्वयन के वास्ते तकनीकी सहायता और प्रबंधन निरीक्षण के लिए अस्थायी आधार पर अमेरिका की सरकार 20 या अनुबंध में शामिल कंपनियों के 25 प्रतिनिधियों की भारत की यात्रा की जरूरत होगी।

इमरान खान, उनकी पत्नी और 94 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

नेशनल डेस्क. पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधक अदालत ने इमरान खान की पार्टी के समर्थकों द्वारा पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में किए गए प्रदर्शन से संबंधित एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और 93 अन्य के खिलाफ सोमवार को गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ% (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने 24 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन के लिए ''अंतिम आह्वान%% किया था जिसमें उनकी और अन्य नेताओं को रिहा करने, आठ फरवरी के चुनावों में पीटीआई की जीत को मान्यता देने के अलावा 26वें संविधान संशोधन को निरस्त करने की मांग की गई थी।

26वें संविधान संशोधन ने न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया को बदल दिया था। इस्लामाबाद पुलिस ने इस्लामाबाद स्थित आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) में 96 संदिग्धों की सूची सौंपी, जिसमें पार्टी के प्रमुख नेताओं जैसे इमरान खान, बुशरा बीबी, गंडापुर, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष असद कैसर, पार्टी अध्यक्ष गौहर खान, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान और कई अन्य नेताओं के नाम शामिल था। इस्लामाबाद पुलिस ने अदालत से इन सभी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अनुरोध किया था और एटीसी न्यायाधीश ताहिर अब्बास सिप्रा ने उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए खान सहित 96 लोगों के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

ट्रंप की हमास को सख्त धमकी- मेरे पदभार ग्रहण से पहले इजराइली बंधक रिहा करो वर्ना...

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजरायली नागरिकों की रिहाई पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर 20 जनवरी, 2025 को उनके पदभार ग्रहण करने से पहले इन बंधकों को रिहा नहीं किया गया, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। ट्रंप के इस बयान ने पहले से ही संवेदनशील मध्य-पूर्व के हालात को और तनावपूर्ण बना दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपने बयान में ट्रंप ने कहा बंधकों को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि यदि जिस दिन मैं राष्ट्रपति पद की शपथ लूंगा, तो मानवता के खिलाफ इन अपराधों को अंजाम देने वालों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। जिम्मेदार लोगों को अमेरिका के इतिहास में अब तक के सबसे कठोर दंड का सामना करना पड़ेगा।

यह बयान ट्रंप के इस दृढ़ विश्वास को दर्शाता है कि बंधकों की रिहाई के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है। हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस भारी कीमत में क्या शामिल होगा या क्या इसमें अमेरिकी सेना की प्रत्यक्ष भागीदारी हो सकती है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके सहयोगियों द्वारा यह संकेत दिया गया है कि नव-निर्वाचित राष्ट्रपति गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए प्रयास कर रहे हैं। सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जो ट्रंप के करीबी माने जाते हैं, ने कहा कि ट्रंप युद्धविराम के पक्ष में हैं जिसमें बंधकों की रिहाई शामिल हो। ट्रंप का यह रुख, जो पहले गाजा में हमास को समाप्त करने की ओर झुका हुआ था, अब कूटनीतिक समाधान की दिशा में जाता दिख रहा है।

अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) में, ट्रंप ने इजरायल को अमेरिका का मजबूत सहयोगी बनाए रखा।

अमेरिकी दूतावास को *तेल अवीव से यरुशलम स्थानांतरित किया।

गोलान हाइट्स पर इजरायल की संप्रभुता को मान्यता दी।

अरब देशों और इजरायल के बीच सामान्यीकरण समझौतों को बढ़ावा दिया।

ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए इजरायल समर्थक अधिकारियों को चुना है, जैसे माइक हुकाबी को इजरायल में राजदूत और मार्को रुबियो को विदेश मंत्री बनाया है।

राष्ट्रपति इसहाक ने ट्रंप को कहा धन्यवाद

हमास ने कई बार यह प्रस्ताव रखा है कि गाजा में बंदियों की रिहाई के बदले युद्ध समाप्त किया जाए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यह स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक हमास पूरी तरह पराजित नहीं हो जाता। इस बीच राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग * ने ट्रंप के बयान की सराहना करते हुए कहा कि धन्यवाद और आशीर्वाद, श्रीमान राष्ट्रपति-चुनाव @realDonaldTrumpÐ हम सभी अपने बंधुओं और बहनों को घर लौटते देखने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

युद्ध में अमेरिका की भूमिका

बता दें कि हमास और इजराइल के बीच यह युद्ध लगभग 15 महीने से चल रहा है। इस संघर्ष के दौरान हमास ने इजराइली नागरिकों और सैनिकों को बंधक बना लिया है। इजराइल ने गाजा पर हमले तेज करते हुए हमास के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई और जमीनी कार्रवाई की है। इस संघर्ष में बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हुए हैं, और यह क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक गंभीर संकट बना हुआ है।अमेरिका ने इस युद्ध के दौरान इजराइल को महत्वपूर्ण सैन्य और कूटनीतिक समर्थन दिया है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने इजराइल को उन्नत हथियार प्रणाली, रक्षा उपकरण और मानवीय सहायता प्रदान की है। ट्रंप की चेतावनी से यह सवाल उठ रहा है कि उनके कार्यकाल में अमेरिका की रणनीति क्या होगी। उधर, हमास को बंधकों को रिहा करने के लिए लगातार अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संगठनों ने भी गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई की अपील की है। विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप का बयान उनके आगामी प्रशासन की नीति की झलक हो सकता है।

संभल में जो घटना हुई है, वह एक सोची समझी साजिश लोकसभा में सरकार पर बरसे अखिलेश यादव

नेशनल डेस्क. संसद के शीतकालीन सत्र का आज सातवां दिन है। अखिलेश यादव ने संभल हिंसा पर लोकसभा में बोलते हुए केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि संभल में जो घटना हुई है, वह एक सोची समझी साजिश है और संभल में भाईचारे को गोली मारी गई है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों द्वारा पूरे देश में खुदाई की बातें देश के भाईचारे को नष्ट कर देंगी।

संभल मामले पर अखिलेश यादव ने कहा, संभल में जो घटना हुई, वह एक सोची-समझी साजिश है। उत्तर प्रदेश में 13 नवंबर को उपचुनाव होने थे, लेकिन इसे 20 नवंबर तक टाल दिया गया। यह सरकार संविधान को नहीं मानती। संभल में शाही जामा मस्जिद के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। दूसरे पक्ष की बात सुनने से पहले ही मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश पारित कर दिया गया। 19 नवंबर को सर्वेक्षण किया गया और रिपोर्ट कोर्ट को दी जानी थी।

उन्होंने कहा कि 24 नवंबर को फिर से सर्वेक्षण किया गया, जिसके दौरान लोग सर्वेक्षण का कारण जानने के लिए एकत्र हुए। सर्किल ऑफिसर ने वहां एकत्र लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया और लाठीचार्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने अपने सरकारी और निजी हथियारों से फायरिंग की, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए और 5 निर्दोष मारे गए। पुलिस और प्रशासन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए और उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटना न दोहराई जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569